भीलवाड़ा, मंगलवार, 17, दिसम्बर, 2024

नमस्ते राजस्थान

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

वर्ष : 09, अंक: 46 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए | हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

राजस्थान के इतिहास में जो काम आज तक नहीं हुआ; वो अब होगा

आज जयपुर आएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी..

3 घंटों में एक लाख करोड़ की देंगे सौगात !

भजनलाल सरकार के 1 साल पूरा होने के मौके पर सबसे बड़ा जश्न

- वाटिका रोड के दादिया में होगी बड़ी जनसभा
- प्रदेश के 21 जिलों में दशकों से बने हुआ जल संकट होगा खत्म
- प्रधानमंत्री मोदी दो बैराज का भी शिलान्यास करेंगे

3 लाख से अधिक लोग प्रत्यक्ष रूप से सुनेंगें उद्बोधन, प्रदेश में 52 हजार बूथों में से प्रत्येक पर 10 लोगों के आने का लक्ष्य

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। भजनलाल सरकार के 1 साल पूरा होने के मौके पर 17 दिसंबर यानि आज जयपुर में बड़ा जश्न मनाया जाएगा। जयपुर के दादिया में होने वाले इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि होंगे। प्रधानमंत्री की इस सभा को भव्य बनाने में बीजेपी संगठन भीड़ जुटाने में जुटा है। वहीं, हर जिले का प्रशासनिक अमला भी तैयारियों में लगा रहा। जनसभा में भीड़ जुटाने सहित तमाम तरह की व्यवस्था के लिए मंत्री, विधायक और पदाधिकारी सहित प्रशासनिक महकमा लगे रहे। इस कार्यक्रम को सरकारी आयोजन का रूप दिया जा रहा है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को भी शामिल किया जाएगा। दावा किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी को सुनने के लिए 3 लाख से ज्यादा लोग पहुंचेंगे।

दरअसल, प्रदेश के 21 जिलों में दशकों से बने हुए जल संकट को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जयपुर आने वाले हैं। वाटिका रोड पर उनकी भव्य जनसभा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सीएम भजनलाल शर्मा ने खुद दादिया जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दिसंबर महीने में यह दूसरा मौका है, जब पीएम मोदी राजस्थान आने वाले हैं और ईआरसीपी का उद्घाटन करने के साथ जनता को 1 लाख करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देने वाले हैं।

पीकेसी-ईआरसीपी परियोजनों के तहत 11 नदियों को जोड़ा जाएगा

प्रधानमंत्री जिस बहुप्रतीक्षित योजना का शुभारंभ करने जा रहे है उसके तहत नवनेरा बैराज से पानी गलवा बांध तक लाया जाएगा। यहां दो हिस्सों में ईसरदा बांध और बीसलपुर बांध तक पानी पहुंचेगा। नवनेरा से चंबल नदी पर जल सेतु बनाकर पानी मेज नदी तक आएगा। यहां से पंपिंग कर पहले बने गलवा बांध तक जाएगा। गलवा से 31 किलोमीटर दूर ईसरदा तक पानी पहुंचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो बैराज का भी शिलान्यास करेंगे। कूल नदी पर रामगढ़ बैराज और पार्वती नदी पर महलपुर बैराज का निर्माण होगा।

प्रदेश को एक लाख करोड़ से अधिक की सौगात देंगें प्रधानमंत्री, पीकेसी का होगा शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रदेशवासियों को 1 लाख करोड़ से अधिक की बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। इसमें प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'पार्वती-कालीसिंध-चंबल ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट' के पहले चरण का शिलान्यास किया जाएगा। इस परियोजना से मध्य प्रदेश और राजस्थान में जल संकट कम होने की उम्मीद है। एमपीकेसी लिंक परियोजना में प्रमुख नदियां शामिल हैं, जैसे चंबल और इसकी सहायक नदियां- पार्वती, कालीसिंध, कुनो, बनास, बाणगंगा, रूपरेल, गंभीरी और मेज नदी। इस परियोजना की परिकल्पना राजस्थान के झालावाड़, कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, गंगापुर, दौसा, करौली, भरतपुर, अलवर समेत 21 नवगठित जिलों को पानी उपलब्ध कराने के लिए की गई है। यह परियोजना पेयजल आपूर्ति, सिंचाई और औद्योगिक जल की मांग को पूरा करने जैसे विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करेगी।

पीएमओ ने जारी किया मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, पीएम 3 घंटे रहेंगे जयपुर में

पीएमओ ने प्रधानमंत्री के दौरे का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम भी जारी कर दिया है, जिसके अनुसार मंगलवार को वे करीब 3 घंटे तक जयपुर में रहेंगे। सुबह 10.20 बजे पीएम मोदी दिल्ली एयरपोर्ट से जयपुर के लिए रवाना होंगे। 11:25 बजे वे जयपुर एयरपोर्ट से हेलीपेड के लिए रवाना होंगे। 11.50 बजे वे हेलीपेड से दादिया में पहुंचेंगे। वहां 10 मिनट तक वे कार्यक्रम में रहेंगे। इसके बाद वे 12 बजे 'हर घर खुशहाली कार्यक्रम' में भाग लेंगे। 1.30 बजे वे कार्यक्रम स्थल से हेलीपेड के लिए रवाना हो जाएंगे। 1.40 पर जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से प्लेन में बैठकर दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। दोपहर 3.10 बजे पीएम मोदी दिल्ली पहुंच जाएंगे।

राजस्थान के कुख्यात गौ तस्कर की रद्द हो सकती है जमानत !

सुप्रीम कोर्ट ने नजीम खान को जारी किया नोटिस

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। यूपी के नजीम खान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को राहत दी है. गो तस्करी मामले में 'आदतन अपराधी' खान की जमानत रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार की अपील स्वीकार करते हुए नाजिम खान को नोटिस जारी किया है. कोर्ट ने उनसे मामले में अपना पक्ष रखने को भी कहा है. राजस्थान सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने गोवंश परिवहन एवं पशु क्रूरता मामले में आरोपी नजीम खान की जमानत के आदेश को वापस लेने के लिए याचिका दायर की है. याचिका में नजीम खान को 21 अक्टूबर 2024 को दी गई जमानत को रद्द करने का अनुरोध किया गया है. याचिका को लेकर उस समय सरकार ने दलील दी थी कि संबंधित अधिकारी की लापरवाही के कारण नजीम खान की गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि के महत्वपूर्ण तथ्य उस समय अदालत के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिसे निलंबित किया जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया 'कारण बताओ' नोटिस

अदालत ने इसी याचिका पर नजीम खान को 'कारण बताओ' नोटिस भी जारी किया, जिसमें पूछा गया कि उत्तर प्रदेश में लंबित आपराधिक मामलों में वह कोर्ट में क्यों नहीं पेश हुए, जहां उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं. साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उनसे यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या उन्हें सभी लंबित मामलों में रिहा किया गया है या नहीं. यह मामला फरवरी 2021 का है. जो राजस्थान के करौली जिले के नादौती पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है. राजस्थान पुलिस ने उस समय एक ट्रक को गौवंश के अवैध परिवहन के संदेह रोका था, जिसमें गाय और बैल लदे हुए थे. जो राजस्थान गौवंश पशु अधिनियम, 1995 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 का उल्लंघन था.

जल्द ही बीजिंग जाएंगे एनएसए अजीत डोभाल

पांच वर्षों के बाद करेंगे चीन की आधिकारिक यात्रा

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था। उसी साल जून में गलवां घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच घातक झड़प हुई थी, जिससे दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया था। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल अगले कुछ सप्ताह में बीजिंग की यात्रा कर सकते हैं। लगभग पांच वर्षों के बाद यह उनकी चीन की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान वे सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि वार्ता (एसआर डायलॉग) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इससे पहले एसआर डायलॉग दिसंबर 2019 में नई दिल्ली में हुआ था। वार्ता के इस तरीके को शुरू करने का निर्णय 23 अक्तूबर को कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच आयोजित बैठक में लिया गया था। सूत्रों ने बताया कि एनएसए डोभाल की यह यात्रा इस महीने के अंत में या जनवरी की शुरुआत में हो सकती है। हालांकि, इसके आयोजन स्थल पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। गौरतलब है कि देपसांग और देमचोक से सैनिकों के पीछे हटने के बाद दोनों देशों में बातचीत का नया दौर शुरू होने की उम्मीद है। बातचीत के लिए भारत के विशेष प्रतिनिधि एनएसए अजित डोभाल होंगे, वहीं चीनी विदेश मंत्री वांग यी करेंगे। पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के मद्देनजर पिछले पांच वर्षों में कोई एसआर वार्ता नहीं हुई। दोनों देशों के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था।

अशोक गहलोत की मुश्किलें बढ़ी...

राजस्थान के चर्चित फोन टैपिंग मामले में लोकेश शर्मा बने सरकारी गवाह

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। अशोक गहलोत सरकार के दौरान राजस्थान के सबसे चर्चित फोन टैपिंग मामले में अब नया मोड़ आ गया है. अब अशोक गहलोत की मुश्किलें लोकश शर्मा ने बढ़ा दी है. पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रह चुके लोकेश शर्मा अब फोन टैपिंग मामले में सरकारी गवाह बन चुके हैं. इसके लिए दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने मंजूरी दिया है. बताया जाता है कि इसे लेकर कोर्ट में याचिका दायर की थी और क्षमा की अपील की थी. अब इसी याचिका को कोर्ट ने मंजूर कर लिया है. अशोक गहलोत के ह्रष्ठ रहे लोकेश शर्मा से दिल्ली में लगातार दिल्ली क्राइम ब्रांच पूछताछ कर रही थी. वहीं क्राइम ब्रांच को लोकश शर्मा फोन टैपिंग मामले में कई सबूत भी सौंपे थे. इसके बाद लगातार पूछताछ के बाद गिरफ्तारी भी हुई थी. लेकिन उन्होंने पहले ही जमानत ले रखी थी. इसके बाद लोकेश शर्मा ने सरकारी गवाह बनने को लेकर कोर्ट में अपील की थी.

लोकेश शर्मा ने बढ़ाई गहलोत की टेंशन

लोकेश शर्मा इस मामले में पहले ही अशोक गहलोत के खिलाफ आरोप लगा रहे हैं. उन्होंने मीडिया में भी जवाब दिया था कि उन्हें फंसाया गया है, जबकि पूरे मामले में अशोक गहलोत के आदेश के मुताबिक काम हो रहा था. वहीं इस मामले में अब वह सरकारी गवाह बन चुके हैं, तो अब अशोक गहलोत की टेंशन बढ़ चुकी है. इससे पहले क्राइम ब्रांच के मामले में राजस्थान सरकार की ओर से जो कोर्ट में याचिका दायर की थी, उसे भी वापस ले लिया गया है. जिससे क्राइम ब्रांच अब राजस्थान में जांच के लिए आ सकती है.

वहीं, लोकेश शर्मा ने क्राइम ब्रांच की पूछताछ में जो साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं, उनकी जांच कराई जा रही है. माना जा रहा है कि लोकेश शर्मा के बयानों की तस्दीक और साक्ष्यों की पड़ताल के लिए क्राइम ब्रांच की टीम जयपुर आ सकती है.

सत्ता परिवर्तन के बाद बदला था बयान

लोकेश शर्मा ने इस पूरे प्रकरण में शुरुआत में ऑडियो सोशल मीडिया से मिलने की जानकारी क्राइम ब्रांच को दी थी. लेकिन राजस्थान में सत्ता परिवर्तन के बाद लोकेश शर्मा ने अपने बयान बदल लिए. लोकेश शर्मा ने क्राइम ब्रांच को दिए बयानों में कहा ये ऑडियो उन्हें उस वक्त के ष्टरू अशोक गहलोत ने उपलब्ध करवाए थे. उन्होंने केवल ओएसडी के रूप में निर्देशों की पालना की थी. लोकेश शर्मा ने जो ऑडियो, पेन ड्राइव और लैपटॉप क्राइम ब्रांच को सौंपे हैं, उनके साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ या एडिटिंग नहीं हुई है. इसकी पड़ताल करने के लिए एफएसएल जांच करवाई जा रही है. जांच के बाद ही पूरे प्रकरण में आगे की दिशा तय हो पाएगी. बता दें, मार्च 2021 में, दिल्ली पुलिस ने शेखावत की शिकायत पर आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात और टेलीफोन पर बातचीत को गैरकानूनी रूप से टैप करने के आरोप में शर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी.

जयपुर कोचिंग गैस रिसाव: नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, कोचिंग और पीजी पर लगाया ताला, जांच पूरी होने तक रहेंगे सीज

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र में बच्चों के कोचिंग सेंटर में बेहोश होने की घटना के बाद नगर निगम की टीम ने कोचिंग सेंटर और पास की एक पीजी बिल्डिंग को सीज कर दिया है। उपायुक्त लक्ष्मीकांत कटारा ने बताया कि यह कार्रवाई प्राथमिक जांच और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है। जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र में स्थित एक कोचिंग सेंटर में बच्चों के बेहोश होने का मामला सामने आने के बाद नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम के मानसरोवर जोन की टीम ने कोचिंग की बिल्डिंग को सीज कर दिया है। इसके साथ ही पास में बनी एक पीजी (पेइंग गेस्ट) की बिल्डिंग को भी सीज कर दिया गया है। नगर निगम के मानसरोवर जोन के उपायुक्त लक्ष्मीकांत कटारा ने बताया कि यह कार्रवाई प्राथमिक जांच और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है। जब तक पूरे मामले की जांच नहीं हो जाती, तब तक ये दोनों बिल्डिंग सीज रहेंगी।

मामले की जांच जारी

कोचिंग सेंटर में बच्चों के बेहोश होने के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित विभागों की जांच जारी है। अधिकारियों ने कहा कि कोचिंग और पीजी में सुरक्षा मानकों और नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं, इसकी भी जांच की जाएगी। यह मामला शहर में कोचिंग संस्थानों और हॉस्टल्स में छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रहा है। नगर निगम की इस कार्रवाई को इस दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। बदबू इतनी तेज थी कि छात्रों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। कुछ छात्रों को चक्कर आने लगे।

संसद में 'फलस्तीन' लिखा बैग लेकर पहुंचीं प्रियंका गांधी, बीजेपी बोली- 'तुष्टीकरण' परिवार का इतिहास

नमस्ते राजस्थान

नई दिल्ली। प्रियंका गांधी वाड्रा ने गाजा पर इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठा रही हैं और उन्होंने फलस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इस कड़ी में संसद के शीतकालीन सत्र में वे एक बैग लेकर पहुंचीं, जिस पर 'फलस्तीन' लिखा हुआ था, जो संघर्ष प्रभावित क्षेत्र के लोगों के समर्थन में एक इशारा है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को संसद में एक बैग लेकर पहुंचीं, जिस पर 'फलस्तीन' लिखा हुआ था, जो संघर्ष प्रभावित क्षेत्र के लोगों के समर्थन में एक इशारा है। प्रियंका गांधी वाड्रा के हैंडबैग पर 'फलस्तीन' शब्द और फलस्तीनी प्रतीक दिखाई दिए, जिसमें एक तरबूज की भी तस्वीर दिखी - जिसे फलस्तीनी एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने वाड्रा की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वे अपना बैग दिखा रही हैं और कहा, प्रियंका गांधी अपने समर्थन का प्रतीक एक विशेष बैग

लेकर फलस्तीन के साथ अपनी एकजुटता दिखाती हैं। करुणा, न्याय और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता का इशारा! उनका स्पष्ट मानना है कि कोई भी जिनेवा कन्वेंशन का उल्लंघन नहीं कर सकता।

इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठा चुकी हैं प्रियंका

प्रियंका गांधी वाड्रा गाजा पर इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठा रही हैं और उन्होंने फलस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इससे पहले जून महीने में, प्रियंका गांधी ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना की थी, क्योंकि उन्होंने कहा था कि इस्राइल सरकार गाजा में 'नरसंहारकारी कार्रवाई' कर रही है, और उन्होंने उन पर और उनकी सरकार पर 'बर्बरता' का आरोप लगाया था।

भाजपा ने प्रियंका गांधी पर किया पलटवार

भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने फलस्तीन समर्थक इशारे को लेकर प्रियंका गांधी वाड्रा पर निशाना साधते हुए कहा, जहां तक गांधी परिवार के सदस्यों का सवाल है, यह कोई नई बात नहीं है। नेहरू से लेकर प्रियंका वाड्रा तक, गांधी परिवार के सदस्य तुष्टिकरण का बैग लेकर घूमते हैं। उन्होंने कभी भी अपने कंधों पर देशभक्ति का बैग नहीं लटकाया। यह बैग उनकी हार का कारण है। वहीं भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, 'प्रियंका गांधी के बैग पर फलस्तीन लिखा है, आप समझ सकते हैं कि उनका भारत से कोई संबंध नहीं है। अभी कुछ दिन पहले इस पर 'इटली' लिखा था और अब इस पर फलस्तीन लिखा है। कौन जानता है कि कब इस पर 'भारत' लिखा हो जाए'।

खत्म हुआ इंतजार..आज लोकसभा में पेश हो सकता है एक देश एक चुनाव बिल !

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार के लिए अपने सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है. जानकारी के अनुसार एक देश एक चुनाव बिल मंगलवार को लोकसभा में दोपहर पेश किया जा सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ये बिल पेश करेंगे. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर एनडीए के सभी घटक दलो से चर्चा हो चुकी है और सभी दल इसके पक्ष में हैं. रिपोर्ट्स में कहा गया है कि विपक्षी दल इसका विरोध सिर्फ राजनैतिक कारणों से कर रहे हैं. सरकार को इस बिल को संसदीय समिति में भेजने में कोई आपत्ति नहीं है. ऐसे में लोकसभा में मंगलवार के एजेंडा की अपडेटड कार्यसूची सामने आने के बाद सारे कयास साफ हो जाएंगे. बताया जा रहा है कि बीते शुक्रवार को लोकसभा के जारी बिजनेस लिस्ट में इस बिल को शामिल किया गया था और उसी दिन सभी सांसदों को बिल की कॉपी भी वितरित कर दी गई थी, लेकिन बाद में लोकसभा के रिवाइज्ड बिजनेस लिस्ट से बिल को हटा दिया गया था. एक देश एक चुनाव बिल का मकसद इसके नाम से ही झलक जाता है. इस बिल के जरिए सरकार चाहती है कि पूरे देश में एक साथ विधानसभा और लोकसभा चुनाव करा लिए जाएं. लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के पीछे कई तरह के तर्क दिए जाते रहे हैं.

सरकार और इस बिल से जुड़ी कमिटी का दावा है कि चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होते ही सरकार कोई नई योजना लागू नहीं कर सकती है. आचार संहिता के दौरान नए प्रोजेक्ट की शुरुआत, नई नौकरी या नई नीतियों की घोषणा भी नहीं की जा सकती है और इससे विकास के काम पर असर पड़ता है. देश को विकास में बाधा का सामना करना पड़ता है, आए दिन चुनाव में देश के संसाधन खर्च होते हैं या उलझे रहते हैं. दावा किया जाता है कि इससे सरकारी कर्मचारियों को बार-बार चुनावी ट्यूटी से भी छुटकारा मिलेगा.

यहां टूटा एक साथ चुनाव का सिलसिला

भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे. साल 1947 में आजादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था. तब राज्य की विधानसभाओं के लिए भी साथ-साथ चुनाव कराए गए थे. लेकिन अलग-अलग चुनावों का सिलसिला साल 1957 में केरल की वामपंथी सरकार बनने के साथ टूटा, क्योंकि वहां केंद्र सरकार ने 1957 की चुनाव के बाद राष्ट्रपति शासन लगा दिया था. साल 1960 में केरल में फिर से चुनाव हुए. हालांकि विपक्ष का कहना है कि अगर एक देश एक चुनाव होते हैं तो कई राज्यों में वक्त से पहले ही विधानसभा भंग कर दी जाएगी.

सांसद ने मीराबाई स्मारक बनाने का संसद में उठाया मुद्दा:

सीपी जोशी बोले- चित्तौड़गढ़ दुर्ग का गौरवशाली इतिहास, किले पर जाने का हो वैकल्पिक मार्ग

नमस्ते राजस्थान

चित्तौड़गढ़ चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने सोमवार को संसद में भक्त शिरोमणि मीराबाई के स्मारक बनाने और चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर वैकल्पिक रास्ता बनाने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर मीराबाई, मां पन्ना, रानी पद्मावती और महाराणा प्रताप का गौरवशाली इतिहास रहा है। ऐसे में चित्तौड़गढ़ में मीराबाई का एक स्मारक भी बनाया जाना चाहिए। वहीं उन्होंने चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर जाने का एक वैकल्पिक मार्ग बनाने की मांग की है। इस पर कल्चर मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आगामी आने वाले दिनों में मीराबाई के जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजन होने की बात कही है।

गढ़ तो गढ़ चित्तौड़गढ़ बाकी सब गढ़ैया' कहावत से की शुरूआत

चित्तौड़गढ़ सांसद और बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने संसद में सोमवार को चित्तौड़गढ़ दुर्ग को लेकर 2 मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने संसद में ₹गढ़ तो गढ़ चित्तौड़गढ़ बाकी सब गढ़ैया₹ कहावत से अपनी बात की शुरूआत की। उन्होंने आगे कहां कि चित्तौड़गढ़ किला एशिया का सबसे बड़ा किला है। मीराबाई, मां पन्ना, रानी पद्मावती और महाराणा प्रताप का गौरवशाली इतिहास इस किले से जुड़ा हुआ है। सांसद जोशी ने कल्चर मिनिस्टर गजेंद्र सिंह शेखावत से प्रश्न पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीराबाई के 525वीं जयंती वर्ष पर बड़े-बड़े स्थान पर प्रोग्राम करवाए हैं। चित्तौड़गढ़ में भी मीराबाई के नाम पर बड़ा स्मारक बने, यह सबसे इच्छा है। इसके अलावा चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर जो वैकल्पिक मार्ग लंबे समय से मांग की जा रही है। उस पर सरकार क्या विचार कर रही है।

आगामी दिनों में होने वाला है मीराबाई से जुड़े प्रोग्राम

इस पर कल्चर मिनिस्टर शेखावत में कहा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है। भक्त शिरोमणि मीराबाई के 525वीं जन्म जयंती वर्ष मंत्रालय आयोजित करवा रहा है। मीराबाई से जुड़े 4 स्थानों जहां उनका जन्म हुआ मेड़ता, जहां उनकी शादी हुई चित्तौड़गढ़, जहां उन्होंने भक्ति की वृंदावन और जहां उन्होंने ईश्वर में एक जाकर हुई द्वारिका में बड़े आयोजन किया जा रहे हैं। इसमें से 3 स्थानों पर प्रोग्राम हो चुके हैं। जबकि चित्तौड़गढ़ में आगामी 21, 22 और 23 तारीख को बड़ा प्रोग्राम होना है। उन्होंने स्मारक बनाने की बात पर कहा कि अभी तक ऐसा कोई भी प्रस्ताव मंत्रालय के पास विचाराधीन नहीं है।

कलेक्टर ने भी लिखा दुर्ग पर जाने का वैकल्पिक मार्ग

मंत्री शेखावत में कहा कि इसके अलावा दुर्ग पर वैकल्पिक मार्ग को लेकर जिला कलेक्टर ने भी पत्र लिखा है और सांसद ने भी पत्र लिखा है। उसे पत्र के आधार पर राज्य सरकार से एक सजेस्टिव डीपीआर बनाने का आग्रह किया है कि वह भेजें। उसके बाद मॉन्यूमेंट्स प्रोटेक्शन एक्ट के प्रावधान के अनुरूप विचार कर कोई निर्णय कर पाएंगे। यह विषय अभी प्रारंभिक अवस्था में है, इसलिए इस पर कोई भी टिप्पणी करना सही नहीं होगा।

महिला ने किया सुसाइड का प्रयास:

अस्पताल में इलाज के दौरान मौत,ससुसाल पक्ष पर प्रताड़ित करने का आरोप

झालावाड़

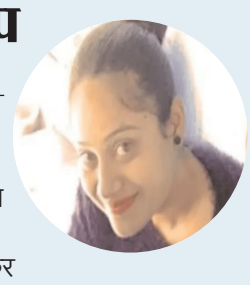

कोटा के सुकेत निवासी एक महिला ने गृह क्लेश के चलते अपने घर पर फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। ससुराल पक्ष के लोग उसे गंभीर हालत में झालावाड़ एसआरजी अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टर ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। रविवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला के परिजनों ने बताया कि सुकेत निवासी हिना (23) पत्नी शाहरूख ने पारिवारिक ग्रह कलेह के चलते फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इसकी जानकारी मिलने पर ससुराल पक्ष के लोग उसे गंभीर हालत में झालावाड़ एसआरजी अस्पताल लेकर आए। यहां डॉक्टर ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। महिला की मौत के बाद अस्पताल चौकी ने शव को मॉचुर्री में रखवाया और सुकेत पुलिस को सूचना दी। सोमवार को पुलिस ने झालावाड़ पहुंचकर महिला के परिजनों से रिपोर्ट लेकर शव का पोस्टमॉर्टम कराया। हिना के पिता झालावाड़ निवासी कल्लू मंसूरी ने बताया कि उसकी बेटी का विवाह 10 महीने पहले परिवार में ही शाहरूख निवासी जुल्मी रोड सुकेत के साथ हुआ था। पिछले कई महीनों से उसकी बेटी को दहेज के लिए परेशान किया जा रहा था और कई बार मारपीट भी की गई। इसके चलते उसने फंदे लगाकर सुसाइड कर लिया। पिता ने आरोप लगाया कि मेरे पास फोन आया था कि मेरी लड़की ने फंदा लगा लिया है। वह झालावाड़ अस्पताल में भर्ती है। जब मैं वहां पर पहुंचा तो उसकी हालत चिंताजनक थी। इस पर उसकी मौत हो गई। महिला तीन दिन से झालावाड़ अस्पताल में भर्ती थी। परिजनों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सीएमएचओ 20 हजार के जमानतीय वारंट के साथ तलब:

हाईकोर्ट की आदेश की पालना नहीं करने पर दिखाई सख्ती

जोधपुर

हाइकोर्ट के आदेश को 09 माहीने बीत जाने के बावजूद पालना नहीं करने और अनुकम्पा नियुक्ति नहीं देने के मामले को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया जोधपुर सीएमएचओ पर 20 हजार रुपए का जमानती वारंट जारी करने के आदेश के साथ कोर्ट में मौजूद होने के आदेश दिए। 17 जनवरी को इस मामले में अगली सुनवाई है। जोधपुर सीएमएचओ डॉ सुरेंद्र सिंह शेखावत को कंटेम्प्ट नोटिस तामील होने के बावजूद वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। हाईकोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए सीएमएचओ को 20,000 के जमानतीय वारंट से व्यक्तिशः तलब किया है।

याचिकाकर्ता प्रियंका माथुर ने अवमानना याचिका दायर की थी अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान हाइकोर्ट जस्टिस दिनेश मेहता की एकलपीठ ने यह आदेश दिए।

दरअसल राजस्थान सरकार में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता पद पर सेवारत रहते हुए मृत्यु हो जाने पर कर्मचारी की विवाहिता पुत्री ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। पूर्व में राजस्थान हाइकोर्ट की वृहदपीठ ने प्रियंका श्रीमाली प्रकरण में यह निर्धारित कर दिया था कि विवाहिता पुत्री भी अनुकम्पा नियुक्ति की हकदार हैं। बावजूद इसके, अनुकम्पा नियमों में 2021 में राज्य सरकार द्वारा किये गए संशोधन से पूर्व याचिकाकर्ता अनुकम्पा नियुक्ति के हकदार थी और उसका वाद भी वर्ष 2020 का है लेकिन राज्य सरकार ने 2021 में हुए संशोधन का हवाला देकर अनुकम्पा नियुक्ति देने से मना कर दिया।। जिसपर याचिकाकर्ता ने रिट याचिका दायर कर अनुकम्पा नियुक्ति दिलाए जाने की गुहार लगाई।

हाईकोर्ट की एकलपीठ ने इस वर्ष19 मार्च को निर्णय देते हुए याचिकाकर्ता को अनुकम्पा नियुक्ति देने का आदेश दिया। निर्णय की पालना नही होने पर याचिकाकर्ता ने अपने अधिवक्ता यशपाल खिलेरी के माध्यम से अवमानना याचिका पेश की। अवमानना याचिका के नोटिस जारी होने पर नोटिस तामील भी हो गए लेकिन 09 महीने बीत जाने के बावजूद भी निर्णय की पालना नही की और न ही अवमनाकर्ता प्रमुख शासन सचिव शुभ्रा सिंह व अन्य न्यायालय में उपस्थित हुए। इस पर हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जोधपुर सीएमएचओ डॉ सुरेंद्र सिंह शेखावत को रुपये 20 हजार रुपए के जमानतीय वारंट से व्यक्तिशः तलब करते हुए अवमानना प्रकरण की अगली पेशी 17 जनवरी 2025 को दी।

डॉक्टर से विवाद के बाद बंदूक लेकर पहुंचे नर्सिंगकर्मी:

इंचार्ज डॉक्टर को कमरे में बंद कर धमकाया;नोटिस देने से थे नाराज

नमस्ते राजस्थान

बांसवाड़ा बांसवाड़ा में हॉस्पिटल इंचार्ज डॉक्टर ने लापरवाही बरतने वाले 2 नर्सिंगकर्मियों के खिलाफ नोटिस जारी किया। नाराज कर्मियों ने डॉक्टर को कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद डॉक्टर ने उटल्लड-कलेक्टर से शिकायत की तो गुस्साए नर्सिंगकर्मी बंदूक लेकर हॉस्पिटल पहुंच गए। घटना का सीसीटीवी आज सामने आया है। मामला बांसवाड़ा जिले के लोहारिया थाना क्षेत्र के पालोदा सरकारी अस्पताल का है। घटना 13 दिसंबर की दोपहर 1.45 बजे हुई। बांसवाड़ा एसपी हर्षवर्धन अगरवाला ने बताया- पालोदा स्थित सरकारी अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी डॉ. हिमांशु नंदा (36) ने लोहारिया थाने में रविवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है। डॉ. हिमांशु पुत्र राधेश्याम थाना इलाके के अमरदीप नगर में किराए का कमरा लेकर रहते हैं। उनकी पत्नी भी पलोदा हॉस्पिटल में डॉक्टर के पद पर हैं। रिपोर्ट में डॉ. हिमांशु ने बताया- नर्सिंग कर्मचारी गुलाब कटारा और अभिषेक नितिन अक्सर ड्यूटी से नदारद हो जाते हैं। चिकित्सा प्रभारी होने के नाते दोनों को मैंने 2 दिसंबर को नोटिस दिया था। लिखित में जवाब भी मांगा था। इसके बाद से दोनों नाराज थे।

डॉक्टर को कमरे में बंद कर धमकाया

12 दिसंबर को मैं ड्यूटी पर अस्पताल में था। इस दौरान नर्सिंग कर्मचारी गुलाब कटारा और अभिषेक

नितिन आए। उन्होंने मुझे अस्पताल परिसर में स्थिति धर्मशाला में कमरा आवंटन करने की एक एप्लीकेशन दी। इसे स्वीकार कर लिया। इसके बाद वे मुझे कमरा दिखाने के लिए ले गए। कमरे में पहुंचते ही दोनों ने मुझे कमरे बंद कर लिया और बाहर से कुंदी लगा दी। वे मुझे धमकाने लगे। मैंने उन्हें कमरे का दरवाजा खोलने को कहा तो जान से मारने की धमकी दी। दोनों कर्मचारी शराब के नशे में थे। इस दौरान एक अन्य डॉक्टर कुलदीप अस्पताल में आए। उन्होंने देखा कि कमरा बाहर से बंद है और अंदर से आवाज आ रही है। डॉ. कुलदीप ने अस्पताल के अन्य कर्मचारियों को भी मौके पर बुलाया। कमरा खुलवाकर मुझे कमरे से बाहर निकाला। दूसरे दिन 13 दिसंबर को डॉ. हिमांशु नंदा जिला मुख्यालय बांसवाड़ा पहुंचे और सीएमएचओ डॉ. एचएल ताबियार से मिलकर लिखित में दोनों कर्मचारियों की शिकायत की। इसके बाद वे जिला कलेक्टर इंद्रजीत यादव से मिले और दोनों आरोपी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

कार में बंदूक लेकर पहुंचे हॉस्पिटल

इसी दिन दोपहर 1.45 बजे नर्सिंग कर्मचारी गुलाब कटारा कार में बंदूक लेकर पालोदा के सरकारी हॉस्पिटल पहुंच गया और डॉ. हिमांशु को ढूंढने लगा। डॉ. हिमांशु बांसवाड़ा में थे। इस घटना का सीसीटीवी सामने आने के बाद जिला कलक्टर और एसपी ने इसे गंभीर मामला माना और पुलिस को कार्रवाई के आदेश दिए हैं। एसपी हर्षवर्धन अगरवाला ने कहा- आपसी विवाद के बाद बंदूक लेकर अस्पताल में जाना बेहद खतरनाक मामला है। संज्ञान में आने के बाद जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश में गई थी पर वे मिले नहीं। यह भी जांच की जाएगी कि आरोपियों के पास बंदूक खुद की है या अवैध है, या फिर किसी और से लाए थे।

विभागीय कमेटी मामले की जांच करेगी

इस संबंध में डिप्टी सीएमएचओ डॉ राहुल डिंडोर ने बताया कि मामले की विभागीय जांच के लिए कमेटी बना दी गई है। मैं कमेटी में हूं। मामला गंभीर है। निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करेंगे।

कोटपूतली में NH-48 पर पलटा LPG से भरा टैंकर:

गैस रिसाव के बाद होटल और ढाबे बंद कराए, 14 घंटे के बाद हटाया;जयपुर से पहुंची टीम

नमस्ते राजस्थान

कोटपूतली जयपुर दिल्ली नेशनल हाईवे 48 पर कोटपूतली के पास सोमवार की रात 1 बजे एलपीजी गैस से भरा टैंकर सर्विस रोड पर पलट गया। 14 घंटे बाद दोपहर 3 बजे टैंकर को सीधा किया गया। टैंकर कांडला पोर्ट (गुजरात) से रोहतक जा रहा था। टैंकर के ड्राइवर राजवीर सिंह ने बताया- रविवार सुबह गुजरात के कांडला पोर्ट से 17 टन एलपीजी गैस से भरा टैंकर हरियाणा के रोहतक के लिए निकला था। इस दौरान कोटपूतली में रात 1 बजे महरोज कट (भाबरू थाना) के सामने पीछे से आ रही एक गाड़ी के कट मारने से टैंकर बेकाबू हो गया और सर्विस लाइन पर पलट गया। टैंकर पलटने पर आसपास के होटल वाले मौके पर पहुंचे और घायल ड्राइवर को बाहर निकाला। सूचना पर भाबरू पुलिस टीम पहुंची और घायल ड्राइवर को अस्पताल में भर्ती करवाया।

स्थानीय लोगों ने बताया- रातभर टैंकर सर्विस रोड पर पड़ा रहा। हालांकि इस दौरान जानकारी नहीं थी कि टैंकर में एलपीजी गैस भरी हुई है। सुबह करीब 11 बजे पुलिस की मौजूदगी में दो क्रेन की मदद से टैंकर को सीधा करने की कोशिश शुरू की। इस दौरान टैंकर से गैस लीकेज होते ही प्रशासन के हाथ पैर फूल गए। गैस लीक की सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन अलर्ट हो गए। आसपास के करीब 500 मीटर एरिया तक सभी ढाबा संचालक और होटल मालिकों को अपनी बिल्डिंग खाली करने के निर्देश दिए गए। घटना की जानकारी पावटा के फायर अधिकारी धर्मेंद्र यादव को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोटपूतली-बहरोड़ फायर सेफ्टी अधिकारी सत्य नारायण को भी घटना के बारे में बताया गया। इसके बाद चार फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और पानी डालकर रिसाव को रोकने की कोशिश की। फायर सेफ्टी अधिकारी सत्यनारायण वर्मा ने बताया- रिसाव नहीं रुकने पर एचपी कंपनी के अधिकारियों को जानकारी दी गई। टैंकर में करीब 17 टन गैस थी, इसके लिए रिसाव को देखते हुए काम को बंद कर दिया गया था। वहीं डेढ़ किलोमीटर एरिया को सेंसिटिव जोन में लिया है। दोपहर 2:30 बजे जयपुर से 4 लोगों की टीम मौके पर पहुंची। जहां 15 मिनट तक टीम ने गैस का रिसाव चेक किया। इसके बाद 3 बजे टैंकर को सीधा किया गया। सुपर गैस एजेंसी के प्लांट इंचार्ज मयूर जोशी ने बताया-एक घंटे तक टैंकर को मौके पर ही रखा जाएगा। इसके बाद इसे जयपुर प्लांट में ले जाया जाएगा।

108 एम्बुलेंस पायलट-ईएमटी से मारपीट:

बोले- मरीज लेकर जोधपुर जा रहे थे, साइड देने की बात को लेकर युवकों ने की मारपीट

पाली

पाली से मरीज को एम्बुलेंस से जोधपुर हॉस्पिटल ले जा रहे 108 एम्बुलेंस के पायलट और ईएमटी के साथ कार सवार कुछ लोगों ने साइड देने की बात को लेकर बीच रास्ते रोककर मारपीट की। घटना को लेकर एम्बुलेंस के पायलट-ईएमटी ने जोधपुर के कुड़ी थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जोधपुर के कुड़ी थाने में दी रिपोर्ट में एम्बुलेंस के पायलट देवेंद्रसिंह, ईएमटी जूनैद खान ने बताया कि वह बांगड़ हॉस्पिटल से रेफर मरीज को जोधपुर के एमडीएम हॉस्पिटल के लिए लेकर 14 दिसम्बर की शाम पौने सात बजे रवाना हुए। रिपोर्ट में बताया कि रास्ते में एक कार में सवार कुछ लोग जो नशे में थे। बीच रास्ते साइड नहीं देने की बात को लेकर उन्हें गालियां देने लगे। फिर कार आगे ले गए और एम्बुलेंस को साइड देने नहीं लगे। जोधपुर के झालामंड चौराहे पर इन्होंने एम्बुलेंस के आगे कार लगाकर उन्हें रोक दिया। वे नीचे उतरे तो कार में सवार लोगों ने रास्ते में उन्हें साइड नहीं देने की बात को लेकर मारपीट करना शुरू कर दिया। जिन्हें बाद में लोगों ने छुड़ाया। रिपोर्ट में बताया कि एम्बुलेंस में गंभीर हालत में मरीज था लेकिन कार में सवार तीन-चार युवक जो नशे में थे उनसे मारपीट की और मरीज की जान जोखिम में डाली। उन्होंने रिपोर्ट दर्जकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

गो तस्कर मामले में सरकार की याचिका पर नोटिस जारी:

सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को जारी किया नोटिस

पूछा-लंबित मामलों में पेश क्यों नहीं हो रहा

नमस्ते राजस्थान

जयपुर हार्डकोर गो तस्कर को जमानत मिलने के मामले में सरकार की ओर से लगाई पुनर्विचार याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने गो तस्कर नाजिम खान को नोटिस जारी किया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुयान की बैंच ने नाजिम खान को नोटिस जारी करके उसे राज्य सरकार द्वारा दायर जमानत रद्द करने वाली याचिका पर जवाब देने के लिए कहा है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी से उत्तर प्रदेश की अदालतों में लंबित मामलों में पेश नहीं होने का कारण भी पूछा है। इसके साथ ही उसके खिलाफ दर्ज मामलों का स्टेटस भी बताने को कहा है। दरअसल, गो तस्कर नाजिम खान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 21 अक्टूबर को जमानत दी थी। फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में राज्य सरकार की ओर से न तो किसी वकील का वकालतनामा पेश हुआ, न ही कोई वकील सुनवाई के दौरान उपस्थित हुआ। जिसके बाद सरकार ने पुनर्विचार याचिका पेश की थी।

जमानत का दुरुपयोग कर चुका है आरोपी

राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने

बताया कि आरोपी के खिलाफ राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश में गो तस्करी समेत कुल 7 मामले दर्ज है। इनमें से 4 समान प्रकृति (गो तस्करी) के है। आरोपी को कई मामलों में फरार घोषित किया जा चुका है। इसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के संभल, हाथरस, आगरा और चंदौली में गैर जमानती वारंट लंबित है। आरोपी के जमानत का दुरुपयोग करने का रिकॉर्ड है। आरोपी आदतन गो तस्कर है। अगर आरोपी बाहर रहता है तो फिर से वह इसी तरह के अपराध को अंजाम दे सकता है।

प्रक्रियात्मक चूक बताई, रउ से याचिका सुनने को कहा

अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने याचिका दायर करते हुए कहा था- प्रक्रियात्मक चूक के कारण सुनवाई के दौरान राज्य का कोई भी प्रतिनिधि कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सका। लेकिन, अब राज्य सरकार अपना पक्ष रखना चाहती है। ऐसे में पुनर्विचार याचिका को सुना जाए। याचिका में बताया कि सुप्रीम कोर्ट के सामने आरोपी के आपराधिक इतिहास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी नहीं आई है।

जमानत का दुरुपयोग कर चुका है आरोपी

याचिका में बताया था कि आरोपी के खिलाफ राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश में गो तस्करी समेत कुल 8 मामले दर्ज है। इनमें से 4 समान प्रकृति (गो तस्करी) के हैं। यदि ये जानकारी प्रस्तुत की गई होती, तो यह अदालत के निर्णय को प्रभावित कर सकती थी। याचिका में बताया- आरोपी के जमानत का दुरुपयोग करने का रिकॉर्ड है। ऐसे में सरकार आरोपी के पूरे आपराधिक इतिहास को अदालत के सामने लाना चाहती है, ताकि आरोपी की जमानत रद्द करवाई जा सके और गो तस्करी विरोधी कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने दी थी आरोपी को जमानत

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जव भुयान की बेंच ने ही 21 अक्टूबर को आरोपी को जमानत दी थी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था- आरोपी उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, ऐसे में राजस्थान में मुकदमे के दौरान उसके अनुपस्थित रहने की संभावना है। लेकिन, उसे अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखने का कोई कारण भी दिखाई नहीं देता है।

पुलिस को चकमा देकर भागा था तस्कर

नाजिम खान पर आरोप है कि वह और उसके सह-आरोपी गो तस्करी में शामिल हैं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार 13 फरवरी 2021 को करौली जिले के नादौती थाना क्षेत्र में पुलिस गश्त के दौरान गंगापुर सिटी की ओर से आ रहे एक कंटेनर को गो तस्करी की आशंका में रोका गया। कंटेनर की जांच करने पर उसमें अलग-अलग उम्र की 26 गाय थी। इनमें 3 से 6 साल की उम्र के 3 बछड़े और लगभग 5 साल की एक गाय मृत पाई गई। कंटेनर को जब्त कर लिया गया। ड्राइवर और एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया। लेकिन तीसरा व्यक्ति, जिसकी पहचान बाद में नाजिम खान के रूप में हुई वह भाग निकला था। इसे 30 अप्रैल 2024 को ही गिरफ्तार किया गया था।

टैंट हाउसकर्मी को गोली मारने का एक और आरोपी पकड़ा:

2 को पहले भी किया है गिरफ्तार,2 नाबालिग भी पकड़े

श्रीगंगानगर श्रीगंगानगर के गांव नेतेवोला में टैंट हाउस कर्मचारी की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में पहले भी 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वारदात में 2 नाबालिग भी शामिल हैं। गांव नेतेवाला में गणेश टैंट हाउस पर 11 दिसंबर को टिफिन देरी से लाने के विवाद में टैंट हाउस के कर्मचारी अजय उर्फ बबलू खान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस मामले में 52 एलएनपी मांझूवास निवासी मृतक के भाई दिनेश उर्फ सोनू खान पुत्र जसवंत की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था और सदर थाना क्षेत्र के गांव तीन एमएल के रहने वाले पवन कुमार सैन पुत्र राजाराम, विजय कुमार पुत्र मैनपाल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा 2 नाबालिग भी पकड़े गए हैं। इस मामले में एक अन्य के शामिल होने की जानकारी मिलने पर रविवार को पुलिस ने गांव तीन एमएल के एक अन्य आरोपी संदीप आचार्य उर्फ नानू पुत्र ओमप्रकाश को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लंग्स-हार्ट रिसिव करने वाली बच्ची की हालत स्थिर:

डॉक्टर यादव बोले, अभी आईसीयू में वेंटिलेटर पर है मरीज; हमारी टीम ने हर स्थित पर रख रखी है नजर

नमस्ते राजस्थान

जयपुर राजधानी जयपुर में पहली बार लंग्स (फेफड़ों) ट्रांसप्लांट कर इतिहास रचा है। एसएमएस हॉस्पिटल में हुए इस ट्रांसप्लांट के बाद अब मरीज की हालत स्थिर बनी हुई है। सीटीवीएस की पूरी टीम मरीज के हर एक-एक मिनट के मूवमेंट पर नजर बना रखी है। ऑपरेशन करने वाली टीम के हैड डॉक्टर राजकुमार यादव ने बताया कि मरीज को अभी आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा है और दो-तीन दिन वेंटिलेटर पर ही रखा जाएगा। डॉक्टर यादव ने बताया- ये उत्तर भारत में इतिहास है। उन्होंने बताया कि शायद ही उत्तर भारत में कहीं लंग्स ट्रांसप्लांट किया गया हो। हमने और हमारी टीम ने पूरी मेहनत के साथ काम को पूरा किया। उन्होंने बताया कि मरीज के जो हार्ट और लंग्स लगाए गए है वह वर्क कर रहे है, लेकिन फिर भी हमने अभी पूरी बॉडी को पंप पर रख रखा है। आपको बता दें कि अभी दक्षिण भारत के चेन्नई या दूसरे शहरों में ही लंग्स ट्रांसप्लांट के केस होते है। लेकिन एक ही मरीज के लंग्स और हार्ट (कॉम्बो ट्रांसप्लांट) एकसाथ होने का ये पहला केस है।

हर पैरामीटर का मिनट-टू-मिनट एग्जामिन

डॉक्टर यादव ने बताया- मरीज के हर पैरामीटर और उस बॉर्ड ऑर्गन के फंक्शन का मिनट-टू-मिनट एग्जामिन कर रहे है। ताकि ये देखा जा सके कि हर फंक्शन का रेस्पॉन्स तो ठीक आ रहा है। यूरिन आउटपुट, ब्लड प्रेशर, ऑक्सीजन लेवल आदि पर नजर बनाए रखे है।

दो दिन बाद वेंटिलेटर हटाएंगे

डॉक्टर ने बताया- मरीज के सभी अंग अभी वर्क तो कर रहे है, लेकिन फिर भी उसे वेंटिलेटर सपोर्ट (पम्प सपोर्ट) पर रखा है। इसे दो दिन बाद ही हटाया जाएगा।

जयपुर में 13 महीने के बच्चे का किडनैप:

मां के पास सो रहे भांजे को लेकर भागा;किडनैपर मामा सोचता था जीजा के पास करोड़ों रुपए

नमस्ते राजस्थान

जयपुर जयपुर में एक 13 महीने के बच्चे का उसका घर से किडनैप कर लिया। घटना शहर के खोह नागोरियान थाना इलाके में रात 12:45 बजे का है। मामला खोह नागोरियान थाना इलाके के गंगा सागर कॉलोनी की है। 13 महीने के बच्चे अभिनव के किडनैप के बाद हड़कंप मच गया। घटना के बाद सीसीटीवी खंगाले। इसमें किडनैपर बच्चे को गोद में उठाकर भागते हुए नजर आ रहा था। मामले में पुलिस ने 9 घंटे में सांगानेर थाना इलाके के कुंदन नगर से सोमवार सुबह 11 बजे आरोपी चेतन शर्मा और उसके दोस्त गौरव चौधरी को गिरफ्तार किया गया। 13 महीने के बच्चे को कुंदन नगर में गौरव चौधरी के घर से बरामद किया, जहां उसे

बंधक बनाकर रखा था। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि आरोपी चेतन बच्चे की मां के चाचा का लड़का है। दूर के रिश्ते में अभिनव का मामा लगता है। उसे यह लगता था कि अभिवन के पिता के पास काफी रुपए है और उसने करोड़ों रुपए की फिरौती की प्लानिंग बनाई थी।

मां के पास सो रहे भांजे को उठाकर लेक गया मामा

डीसीपी वेस्ट तेजस्वनी गौतम ने बताया कि चेतन और गौरव चौधरी ने फिरौती के लिए ही अभिवन का किडनैप किया था। इसके लिए दोनों ने 1 दिसंबर को ही प्लानिंग कर ली थी। रविवार देर रात दोनों आरोपी अभिनव के नाना राजेंद्र शर्मा के घर पहुंचे थे। घर से 100 मीटर पहले बाइक को खड़ा कर दिया और अंधेरे का फायदा उठाते हुए राजेंद्र शर्मा के घर में घुसे। यहां आरोपी घर की दीवार फांद कर अंदर घुसा और मां के पास सो रहे अभिवन को उठाकर वहां से भागा और बाहर से कुंडी लगा दी। इसके बाद वह अपने दोस्त गौरव चौधरी के साथ गलियों से होते हुए उसके कुंदन नगर स्थित किराया के मकान में पहुंचा। इस बीच अभिनव की मां और नाना दरवाजा खटखटाते रहे लेकिन किसी ने गेट नहीं खोला। इस पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने के बाद जब सीसीटीवी खंगाले तो इसमें आरोपी मासूम को गोद में लेकर भागते हुए नजर आए।

नाना ने थाने में दी रिपोर्ट, 9 घंटे में आरोपियों को पकड़ा

इस घटना के बाद नाना राजेंद्र शर्मा की ओर से खोह नागोरियान थाने में किडनैप का मामला दर्ज करवाया गया। इस पर टीम बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू की। दोनों आरोपी बेकरी की दुकानों पर माल सप्लाई करने का काम करते है। बच्चे को बंधक बनाने के बाद आरोपी चेतन शर्मा काम पर निकल गया। इस बीच पुलिस को सूचना मिली की बच्चा कुंदन नगर में है। टीम यहां पहुंची तो अभिनव गौरव चौधरी के पास मिला। पुलिस ने बताया कि दोनों से पूछताछ की तो चेतन ने बताया कि अभिनव के पिता विदेश में नौकरी करते है। अभी 2-3 महीने से वे इंडिया से बाहर है। चेतन ने पुलिस को बताया कि उसे ऐसा लगता था कि उसकी चचेरी बहन बहुत अमीर है। ऐसे में प्लान किया था कि भांजे को किडनैप कर परिवार के लोगों से करोड़ों रुपए की फिरौती मांगेंगे।

जयपुर में मर्सिडीज कार ड्राइवर ने साइकिल सवार कुचला:

ओवरस्पीड में बिजली के पोल से टकरा दीवार में घुसा,सनरूफ खोलकर हुआ फरार

नमस्ते राजस्थान

जयपुर जयपुर में एक मर्सिडीज कार सवार ने साइकिल पर जा रहे व्यक्ति को कुचल दिया। कार इतनी स्पीड में थी कि टक्कर के बाद कार बिजली पोल से टकराते हुए फॉर्म हाउस की दीवार को भी चपेट में ले लिया। मामला शहर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र के जयपुर-सीकर हाईवे पर सोमवार सुबह 7:45 का है। इस हादसे में साइकिल सवार मोहन गुर्जर (50) गंभीर घायल हो गया। बताया जा रहा है कि कार सवार हादसे के बाद गाड़ी का सनरूफ खोलकर फरार हो गया।

फॉर्म हाउस से निकले बुजुर्ग को लिया चपेट में,टक्कर लगते ही सड़क पर गिरा

रल्हड (हरमाड़ा) उदयभान ने बताया- हादसा सुबह करीब 7:45 बजे माधोनगर

में रानीबाग गार्डन के पास हुआ। एक मर्सिडीज कार जयपुर-सीकर हाईवे पर सर्विस रोड पर चौमूं की ओर जा रही थी। मर्सिडीज कार ने लक्की फार्म हाउस से निकलकर जा रहे चौकीदार मोहन गुर्जर (50) को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह लहूलुहान हालत में रोड पर जा गिरे। हरमाड़ा थाना पुलिस ने घायल राहगीर को कांवटिया हॉस्पिटल में एडमिट करवाया है। पुलिस क्षतिग्रस्त कार को जब्त कर चालक की जानकारी जुटा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार इतनी स्पीड में थी कि मोहन गुर्जर को टक्कर मारने के बाद कार एक बिजली के पोल से टकरते हुए फॉर्म हाउस की दीवार में घुस गई। इसके बाद 50 मीटर दूर अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर रूकी।

एयरबैग खुलने से बची जान, सनरूफ खोलकर हुआ फरार

हादसे के बाद मर्सिडीज कार के एयरबैग खुलने से चालक की जान बच गई। कार के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण वह उसमें फंस गया। इस बीच मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दीवार से टकराने के बाद कार के आगे का पूरा हिस्सा बिखर गया। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद कार के आगे का पहिया निकल गया और जिस पोल से टकराई उसके भी चार टुकड़े हो गए। लोगों की भीड़ को बढ़ती देख कार ड्राइवर सनरूफ खोलकर वहां से फरार हो गया। लोगों की सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

इंग्लिश मीडियम के बच्चों को बांटा हिंदी में प्रिंट पेपर:

एग्जाम सेंटर पर स्कूल स्टाफ ने किया ट्रांसलेट, अर्द्धवार्षिक परीक्षा में लापरवाही

नमस्ते राजस्थान

बीकानेर राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में अर्द्धवार्षिक परीक्षा हो रही है। इस बीच विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। इंग्लिश मीडियम स्टूडेंट्स को हिंदी में प्रिंट पेपर बांट दिया गया। ऐसा दोनों पारियों में 9वँ और 10वँ के स्टूडेंट्स के साथ हुआ। लापरवाही सामने आने पर स्कूल स्टाफ ने ही पेपर का ट्रांसलेट कर स्टूडेंट्स को दिया। इससे एग्जाम भी तय समय से लेट शुरू हो सका। दरअसल, शिक्षा विभाग से जुड़े राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में क्लास 9 से 12 के हाफ ईयरली एग्जाम शुरू हो गए हैं। एग्जाम 24 दिसंबर तक चलेंगे।

इंग्लिश में पेपर प्रिंट ही नहीं

सरकारी और प्राइवेट स्कूल में आज से शुरू हाफ ईयरली एग्जाम का आज पहला पेपर था। एग्जाम में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषा में पेपर प्रिंट करवाया जाता है। सोमवार को क्लास 9वँ का स्वास्थ्य शारीरिक शिक्षा का पेपर था लेकिन स्टूडेंट्स को केवल हिंदी में प्रिंट पेपर दिया गया। ऐसे में इंग्लिश मीडियम स्टूडेंट्स को परेशानी हुई। राज्य में निजी के साथ सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूल भी है। ऐसे में राज्य भर के हजारों प्राइवेट और महात्मा गांधी स्कूल के इंग्लिश मीडियम स्कूल के स्टूडेंट्स को एग्जाम सेंटर पर ही स्कूल स्टाफ ने पेपर ट्रांसलेट कर स्टूडेंट्स को दिया। इससे स्कूल में एग्जाम तय समय से लेट शुरू हो सकें।

दसवीं के पेपर में भी लापरवाही

इस संबंध में पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षक नरेंद्र सोनी का कहना है कि इस तरह से पेपर वितरण के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। वहीं अजमेर में मॉर्डन स्कूल की प्रिंसिपल ममता शर्मा ने कहा कि- आज स्वास्थ्य शारीरिक शिक्षा का पेपर था। इंग्लिश मीडियम स्टूडेंट्स को हिंदी में प्रिंट पेपर दिया गया। वहीं दूसरी पारी में दसवीं क्लास का भी स्वास्थ्य शारीरिक शिक्षा का पेपर है। दसवीं क्लास का पेपर भी सिर्फ हिंदी में ही प्रिंट है।

शिक्षा पंजीयक करवा रहे हैं एग्जाम

बीकानेर के प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय के अधीन संचालित पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा करवा रहा है। परीक्षा संचालन के लिए एक टीम भी बना रखी है। इसके बाद भी परीक्षा संचालन में गड़बड़ी सामने आई है।

10 साल के बच्चे को गलत खून किसने चढ़ाया..?

7 दिन में भी गुनहगार नहीं ढूंढ पाया जेके लोन अस्पताल,3 कदम पर हुई थी लापरवाही

नमस्ते राजस्थान

जयपुर फरवरी 2024 में दौसा निवासी सचिन (25) को प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल सवाई मानसिंह (रटर) में ह्यओह्न पॉजिटिव की जगह ह्यएबीह्न पॉजिटिव ब्लड और प्लाज्मा चढ़ा दिया गया था। नतीजा ये हुआ कि सचिन की मौत हो गई। ठीक वैसी ही लापरवाही अब बच्चों के सबसे बड़े अस्पताल जेके लोन में सामने आई है। भरतपुर निवासी 10 साल के मुस्तफा को इमरजेंसी में यहां लाया गया था। किडनी की जन्मजात बीमारी रीनल हाइपोप्लासिया (अविकसित किडनी) से जूझ रहे मुस्तफा को ह्यओह्न पॉजिटिव ब्लड की जरूरत थी। लापरवाहों ने उसे 'एबी' पॉजिटिव ब्लड चढ़ा दिया। हालांकि मुस्तफा की हालत अभी स्थिर बताई जा रही है। लेकिन, 5 दिसंबर को हुई इस घटना पर तीन बाद कमेटी गठित करने के बावजूद अस्पताल प्रशासन अभी तक यह तय नहीं कर पाया है कि लापरवाह कौन है? ब्लड बैंक ने बेसिक मेडिकल प्रोटोकॉल तक फॉलो नहीं किया। गंभीर स्थिति में भर्ती बच्चे को रातभर ब्लड के लिए इंतजार कराया गया और अंततः अगले दिन जो ब्लड दिया गया, वह गलत ग्रुप का था। पढ़िए- पूरी रिपोर्ट...

1. डोनर नहीं था, लेकिन इमरजेंसी के बावजूद 12 घंटे बाद दिया ब्लड

मुस्तफा के चाचा सरफू और तालिम ने बताया कि 4 दिसंबर को भरतपुर से मुस्तफा को गंभीर हालत में जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल में रेफर किया गया था। उसे सांस लेने में बहुत दिक्कत हो रही थी। दोपहर 3:30 बजे जेके लोन हॉस्पिटल पहुंचने पर उसे पहले इमरजेंसी, फिर ओल्ड आईसीयू में भर्ती किया गया था। लगातार कंडीशन खराब होने के बाद उसे रात करीब 10 बजे ग्राउंड फ्लोर पर आईसीयू में शिफ्ट किया गया। यहां रेजिडेंट डॉक्टर ने मुस्तफा के ब्लड का सैंपल लिया था। सैंपल और डिमांड पर्ची लेकर तालिम रात 10 बजे ब्लड बैंक से खून लेने पहुंचा। आवाज लगाई तो कंबल ओढ़कर सो रहा एक कर्मचारी उठा। तालिम ने ब्लड बैंक कर्मी से जब ब्लड उपलब्ध कराने को कहा तो उसने उन्हें पहले डोनर लाने को कहा। रिक्वेस्ट करने और बार-बार इमरजेंसी बताने के बाद भी उसने डोनर लाने का कहकर दुत्कार दिया। डोनर लाने के 12 घंटे बाद ब्लड दिया गया। लापरवाही क्या? : यहां ब्लड बैंक में उस रात ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारी ने मरीज की इमरजेंसी को न समझते हुए पहले डोनर लाने का दबाव बनाया। समय से खून न मिलने से 10 साल के गंभीर रोगी की जान भी जा सकती थी। ब्लड की सख्त जरूरत थी, वह 12 घंटे बाद मिला। नियमानुसार गंभीर मरीजों के इलाज में ब्लड तुरंत उपलब्ध करवाना अनिवार्य है।

2. ओ पॉजिटिव की जरूरत थी, थमाया अइ पॉजिटिव

बच्चे के चाचा दिलशाद ने बताया कि इसके बाद मैं करीब पौने दो बजे पास के ही शेखावाटी अब्लड बैंक गया। वहां भी ब्लड नहीं मिला। इसके बाद मैं निराश होकर सैंपल और डिमांड पर्ची सरफू को देकर कमरे पर आ गया। अगली सुबह 10:30 बजे दो डोनर लेकर आया। फिर वही सैंपल लेकर काउंटर पर गया। डोनर के ब्लड देने के करीब 1 घंटे बाद ब्लड बैंक ने जो ब्लड दिया, वो लेकर वार्ड में आ गया। जिस पर एबी पॉजिटिव अंकित था, जबकि मुस्तफा का ब्लड ग्रुप ह्यओह्न पॉजिटिव था। 5 दिसंबर को डॉक्टर ने भी बिना देखे मुस्तफा को वही ब्लड चढ़ा दिया। मैंने उसका फोटो भी खींचा था ताकि आगे ब्लड की जरूरत पड़े तो डोनर ढूंढा जा सके। 7 दिसंबर को जब दूसरी बार ब्लड की जरूरत पड़ी, तब खुलासा हुआ कि बच्चे को गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ा दिया है।

लापरवाही क्या?: यह दूसरी और गंभीर लापरवाही थी। दरअसल, वार्ड से जब ब्लड की डिमांड आती है तो वॉयल पर लिखी मरीज की पूरी जानकारी पढ़ने के बाद ब्लड का ग्रुप और जारी किए जाने वाले बैग का क्रॉस मैच किया जाता है ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि यह ब्लड मरीज के लिए उपयुक्त है या नहीं। रिपोट्?र्स को ब्लड बैंक का डॉक्टर डबल वेरिफाई करता है। लैब में आए सैंपल के आधार पर ही ब्लड दिया जाता है। यहां वार्ड से सैंपल के गलत आने की आशंका ज्यादा है।

वार्ड से ब्लड बैंक तक यह रहता प्रोसीजर

ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. शांति प्रिय ने वार्ड से मरीज का सैंपल और डिमांड पर्ची पहुंचने के बाद की प्रक्रिया को समझाते हुए बतायाझ्र

अटेंडेंट पर्ची लेकर ब्लड बैंक के काउंटर पर सैंपल और फॉर्म जमा कराता है जिसे लैब टेक्नीशियन रिसीव करते हैं।

इसके बाद वह मरीज का रजिस्ट्रेशन नंबर और सैंपल पर लिखे रजिस्ट्रेशन नंबर का मिलान करते हैं। अगर दोनों सेम हैं तो ही फॉर्म और सैंपल लिए जाते हैं।

इसके बाद लैब टेक्नीशियन सैंपल का ब्लड ग्रुप चेक करता है। उस पर ग्रुप, समय और तारीख डाल देता है।

इसके बाद उसी ग्रुप वाले ब्लड बैग को निकालकर उसका भी ग्रुप दोबारा चेक किया जाता है, जो पहले से स्टोर होता है।

सैंपल के ग्रुप की जांच होने के बाद और ब्लड बैंक से मिले ब्लड बैग का ग्रुप चेक करने के बाद दोनों का क्रॉस मैच किया जाता है।

ब्लड बैंक का इंचार्ज या ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर क्रॉस मैच को वेरिफाई करता है। पूरी तरह श्योर होने के बाद फॉर्म पर बैग नंबर, क्रॉस मैच का विवरण लिखने के बाद अटेंडेंट को सुपुर्द किया जाता है।

यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ऐसे पेशेंट जिनकी लंबे समय से दवाइयां चल रही हों, रेगुलर ब्लड ट्रांसफ्यूजन हुआ हो, उन मरीजों में एंटी बॉडी डेवलप होने के कारण कई बार ब्लड ग्रुप स्पष्ट नहीं आता है। हालांकि ऐसा बहुत कम होता है, लेकिन यह आशंका बनी रहती है।

3. क्रॉस चेक नहीं कर पा रहा अस्पताल, किससे हुई चूक?

बातचीत में जेके लोन ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ. एस.पी.भारद्वाज ने कहा- गलती किस स्तर पर हुई है, इसकी जांच की जा रही है। डॉ. भारद्वाज ने बताया कि जयपुर लाने से पहले भी मुस्तफा को ब्लड चढ़ाया गया था। हम इस एंगल से भी जांच कर रहे हैं कि कहीं पहले चढ़ाया गया ब्लड गलत ग्रुप का तो नहीं था। डॉ. भारद्वाज का कहना है कि सैंपल लेने के वक्त बच्चे का चाचा दिलशाद, सरफू और तालिम वार्ड में मौजूद थे। तीनों को पूछताछ के लिए दो बार बुलाया, लेकिन वह अभी तक नहीं आए हैं। इनके आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि ब्लड सैंपल किसने लिया और ब्लड बैंक में सैंपल किसने रिसीव किया था। बच्चे का सैंपल आईसीयू में शिफ्ट होने के बाद आया था। दिए गए सैंपल की दोबारा क्रॉस मैचिंग भी करवाई है और यह एबी पॉजिटिव ही आया है।

लापरवाही क्या? : यह तीसरी लापरवाही है। घटना के 5 दिन बाद भी कमेटी और ब्लड बैंक प्रशासन एक सामान्य मेडिकल प्रैक्टिस की खामी नहीं पकड़ पाया है। जबकि ब्लड बैंक में मेंटेन किए जाने वाले रिकॉर्ड से यह आसानी से पता लगाया जा सकता है कि कौन सा सैंपल आया, उसका ग्रुप क्या था और क्रॉस मैचिंग के बाद कौन सा ब्लड ग्रुप दिया गया। लेकिन, अस्पताल प्रशासन लीपापोती में लगा हुआ है। इससे जाहिर है कि ब्लड बैंक में रिकॉर्ड की प्रॉपर मॉनिटरिंग नहीं हो रही है।

इस मामले में चूक कहां हुई? अभी भी कई सवाल बने हुए हैं, जिनका जवाब कमेटी को ढूंढना है...

1. क्या वार्ड में सैंपल पर ब्लड ग्रुप और पेशेंट की डिटेल गलत भरी गई?
गुनहगार कौन? : सैंपल पर पेशेंट की डिटेल भरने वाला रेजिडेंट डॉक्टर।
2. क्रॉस मैचिंग और ग्रुप की जांच करते समय लापरवाही बरती गई हो?
गुनहगार कौन? : ग्रुप की जांच करने वाला लैब टेक्नीशियन और क्रॉस मैचिंग व डिमांड पर्ची की जांच करने वाला रेजिडेंट डॉक्टर।
3. क्या ब्लड देते समय दोबारा डोनर और रिसीवर के ग्रुप और बैग की डिटेल मैच नहीं की गई?
गुनहगार कौन? : अटेंडेंट को फाइनली ब्लड देने वाला ब्लड बैंक का उस वक्त मौजूद कर्मचारी।
4. ब्लड चढ़ाने से पहले रिसीवर की पहचान (नाम, ब्लड ग्रुप, रजिस्ट्रेशन नंबर) और ब्लड बैग पर लिखी जानकारी का फाइनल वेरिफिकेशन नहीं किया गया?
गुनहगार कौन? : वह रेजिडेंट डॉक्टर जिसने मरीज को ब्लड चढ़ाया।

7 दिन बीते, न जांच हुई न रिपोर्ट आई

7 दिसंबर को मामला सामने आने के बाद इस मामले की जांच के लिए जेके लोन अधीक्षक डॉ. कैलाश मीणा ने 8 दिसंबर को अस्पताल के ही सीनियर प्रोफेसर डॉ. कपिल गर्ग की अध्यक्षता में कमेटी बनाई थी। इसमें सीनियर प्रोफेसर डॉ. आरएन सेहरा, डॉ. के.के. यादव और ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. शांति प्रिय भारद्वाज शामिल हैं। कमेटी से चार दिन में रिपोर्ट मांगी गई थी। लेकिन, अभी तक न तो कमेटी की जांच पूरी हो सकी, न ही रिपोर्ट जमा हुई थी। डॉ. भारद्वाज का कहना है कि मरीज के अटेंडेंट और रेजिडेंट को आमने-सामने बैठाकर भी पूछताछ की जानी है, जिसमें समय लग रहा है। उन्होंने बताया कि कमेटी की रिपोर्ट सोमवार तक सब्मिट की जा सकती है।

कमेटी सात दिन बाद भी यह तक पता लगाने में नाकाम रही है कि गलत ब्लड ग्रुप किसकी लापरवाही से दिया गया। वहीं 10 महीने पहले हुए प्लाज्मा कांड के बाद भी पूरे अस्पताल की सीसीटीवी मॉनिटरिंग अब तक सेंट्रलाइज्ड नहीं हो सकी है। गलत ब्लड चढ़ाने के बाद भी पीठ थपथपा रहे अधीक्षक अस्पताल अधीक्षक डॉ. कैलाश मीणा गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाने के सवाल पर सफाई देते हुए कहते हैं कि प्रथम दृष्टया तो यही लग रहा है कि बच्चे को गलत खून चढ़ा ही नहीं है। क्योंकि ऐसा होता तो रिएक्शन तुरंत नजर आता। बच्चे का हीमोग्लोबिन भी कम नहीं हुआ। ब्लड और यूरीन जांच रिपोर्ट में भी गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाए जाने के कोई एविडेंस नहीं मिले हैं। इतना ही नहीं, वह पूरे मामले में ब्लड बैंक की पीठ भी थपथपा रहे हैं। उनका कहना है कि यह ब्लड बैंक और चिकित्सकों की सतर्कता का नतीजा है कि उन्होंने 7 दिसंबर को दूसरी बार ब्लड चढ़ाने के दौरान ओ पॉजिटिव की जगह एबी पॉजिटिव ग्रुप चढ़ाने की यह गलती पकड़ ली। लेकिन, डॉ. कैलाश यह नहीं बता पा रहे कि 5 दिसंबर को ओ की जगह मुस्तफा को एबी पॉजिटिव ग्रुप कैसे चढ़ा दिया गया?

पिता की भी किडनी की बीमारी से मौत

चाचा सरफू ने बताया कि उनके भाई और मुस्तफा के पिता समी खान की मौत 2021 में हुई थी। उन्हें भी किडनी की बीमारी थी। काफी इलाज कराने और डायलिसिस के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका।

मुस्तफा की किडनी संबंधी बीमारी का परिवार को करीब डेढ़ महीने पहले ही पता चला। अलवर में दिखाया तो डॉक्टर ने बताया कि इसमें खून की कमी है। इसके बाद परिजन उसे हरियाणा के होडल ले गए। वहां पुन्हाना में उसे 17 नवंबर को ब्लड चढ़ाया गया। इसके बाद मुस्तफा की तबीयत में सुधार होने लगा था। लेकिन, 3 दिसंबर को तबीयत बिगड़ने पर उसे भरतपुर दिखाया, जहां से उसे 4 दिसंबर को जेके लोन अस्पताल में रेफर किया गया। यहां 5 दिसंबर को उसे ओ पॉजिटिव की जगह एबी पॉजिटिव ग्रुप चढ़ा दिया गया।

परिजन बोले बच्चे की सेहत में सुधार

मुस्तफा पीआईसीयू वार्ड में पेरिटोनियल डायलिसिस पर है। उसकी अब तक 90 पेरिटोनियल डायलिसिस हो चुकी हैं। गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाए जाने के बावजूद बच्चे की हालत में सुधार होना डॉक्टरों के लिए भी हैरानी की बात है। डॉ. कैलाश मीणा ने बताया कि बच्चे का क्रिएटिनिन पहले 8 से 10 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर के बीच था। वह घटकर 3 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर तक आ गया है। किडनी के काम नहीं करने से शरीर में 350 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर (नॉर्मल रेंज 10 से 30 के बीच) तक पहुंचा यूरिया भी घट गया है। इसके अलावा बच्चे का हीमोग्लोबिन भी 5 से बढ़कर 6 ग्राम प्रति डेसीलीटर हो गया है।

नाबालिग छात्रा से रेप के आरोपी को 20 साल जेल: 60 हजार का जुमार्ना, प्रेम जाल में फंसाकर अलग-अलग जगह पर किया था दुष्कर्म

अजमेर

अजमेर की पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग छात्रा से रेप के आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई है। आरोपी पर 60 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। आरोपी ने पीड़िता को प्रेम जाल में फंसाकर परबतसर, अहमदाबाद, बेंगलुरु पर ले गया और उसके साथ रेप किया था। पॉक्सो कोर्ट 2 के विशिष्ट लोक अभियोजक विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि रूपनगर निवासी चेनाराम (21) पुत्र मनाराम को 20 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही तीन को बरी किया है। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 15 गहवा और 50 दस्तावेज पेश किए गए थे। डीएनए रिपोर्ट में पीड़िता से रेप की पुष्टि हुई थी। इसके बाद सुनवाई करते हुए न्यायाधीश रंजन सिंह ने सोमवार को मामले में फैसला सुनाया। जज ने टिप्पणी करते हुए लिखा कि देश में नाबालिग बच्चों के साथ बढ़ते अपराध को देखते हुए आरोपी के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

पिता ने दर्ज करवाया था मामला

सरकारी वकील विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि पीड़ित पिता ने 22 जून 2023 को रूपनगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। पिता ने शिकायत देकर बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री है। जिसे चेनाराम नाम का व्यक्ति पीछा कर रहा था। बेटी के साथ आरोपी ने छेड़छाड़ भी की थी। उस वक्त बेटी ने परेशान होकर बताया तभी आरोपी के माता-पिता से इसकी शिकायत की थी। परिवार के द्वारा आश्वासन दिया कि वह ऐसा नहीं करेगा। लेकिन आरोपी उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर अपहरण कर ले गया। घर में अलमारी में रखे 142000 गायब थे। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर 1 जुलाई 2023 को आरोपी चेनाराम को गिरफ्तार किया था। पीड़िता को भी दस्तयाब किया गया। पीड़ित ने अपने बयानों में बताया था कि आरोपी ने उसे प्रेम जाल में फंसा कर अपने साथ ले गया और अलग-अलग जगह पर ले जाकर उसके साथ रेप किया था।

प्री-डीएलएड परीक्षा में बैठाने, फर्जी डॉक्यूमेंट बनाने का आरोपी गिरफ्तार

नमस्ते राजस्थान

बाड़मेर बाड़मेर जिले के चौहटन पुलिस ने प्री-डीएलएड एग्जाम में फर्जी डॉक्यूमेंट तैयार कर डमी अभ्यार्थी बिठाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 6 माह से फरारी काट रहा था। वांटेड गुजरात में जाकर गोदामों और कारखानों में मजदूरी कर रहा था। पुलिस ने दबिश देकर पकड़ा। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार बीएसटीसी प्रवेश 2024 के एग्जाम 30 जून 2024 को आयोजित हुए। इसमें परीक्षार्थी नरसिगाराम पुत्र दूदाराम निवासी मंगले की बेरी की जगह फर्जी दस्तावेज तैयार कर ओमप्रकाश पुत्र अनाराम निवासी डुंगरी सरवाना जिला सांचौर को डमी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा देते पकड़ा था।

फिंगर प्रिंट नहीं मिलान होने पर पकड़ा फर्जी अभ्यर्थी

6 माह पहले कस्बे के एक केंद्र पर आयोजित बीएसटीसी प्रवेश परीक्षा में आरोपी मूलाराम ने फर्जी डॉक्यूमेंट तैयार कर ओमप्रकाश निवासी डूंगरी को फर्जी परीक्षार्थी बनाकर परीक्षा दिलाई थी। वास्तविक अभ्यर्थी नरसिंगाराम निवासी कितनोरिया के स्थान पर ओमप्रकाश परीक्षा में बिठाया था। परीक्षा के दौरान ऑनलाइन आधार के फिंगर प्रिंट में अंतर पाए जाने पर ओमप्रकाश पकड़ा गया था। ओमप्रकाश से पूछताछ के बाद फर्जी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाने का खुलासा हुआ। मूलाराम पुत्र भीयाराम निवासी कितनोरिया का नाम सामने आया था। उसके नाम का खुलासा होने की भनक लगने ही मूलाराम बीते 6 माह से फरार चल रहा था। चौहटन थानाधिकारी सोमकरण ने बताया- **थाना** स्तर पर टीम बनाकर आरोपी मूलाराम पुत्र भीयाराम निवासी कितनोरिया को पकड़ने के लिए अलग-अलग संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। लेकिन आरोपी घटना के बाद गुजरात की तरफ मजदूरी पर चला गया। तकनीकी और सूचना के आधार पर आरोपी मूलाराम को साबरकांठा जिले के तालोड़ तालुका में होने की पुख्ता जानकारी मिलने पर टीम वहां पर पहुंची।

तीन दिन तलाश के बाद आरोपी पकड़ा

टीम ने लगातार तीन दिन तक फैक्ट्री, कारखानें में तलाश की। आरोपी को गांव खैरोल तहसील तालोड साबरकांठा गुजरात से डिटेन किया गया। इसके बाद पुलिस वहां से पकड़कर चौहटन लेकर आई वहां पर पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में हेड कॉन्स्टेबल नाथुराम, कॉन्स्टेबल तगाराम, हरलाल पूनिया, मूलाराम शामिल रहे।

कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम और तहसीलदार को मिलेंगे लैपटॉप:रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने 655 अधिकारियों की लिस्ट तैयार

नमस्ते राजस्थान

जयपुर राजस्थान में अब भजनलाल सरकार रेवेन्यू का काम देखने वाले फील्ड अधिकारियों को लैपटॉप देगी। इसके तहत जिलों में कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार के अलावा सहायक कलेक्टर भी शामिल है। रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने पिछले दिनों एक आदेश जारी कर 655 अधिकारियों की सूची तैयार करके इसकी खरीद करने के लिए कहा है। इस व्यवस्था के शुरू होने से आमजन के रेवेन्यू से जुड़े कामों की पेंडेंसी जल्द खत्म होने की उम्मीद जताई जा रही है। दरअसल सरकार ने बजट में इस बार घोषणा की थी कि रेवेन्यू से संबंधित काम में शामिल फील्ड अधिकारियों को सरकार लैपटॉप देगी, ताकि काम में तेजी आए और लोगों के काम समय पर हो। ई-फाइलिंग सिस्टम शुरू होने के बाद लैपटॉप के जरिए अधिकारी घर पर भी अपने लंबित काम-काज का निस्तारण कर सके, इसके लिए सरकार ने ये घोषणा की थी।

अधिकांश काम ई-फाइलिंग के जरिए

वर्तमान में कलेक्ट्रेट में काम करने वाले ये तमाम अधिकारी ज्यादातर काम ई-फाइलिंग के जरिए कर रहे है। इसमें नामांतरण खोलने, जाति, मूल निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र समेत अन्य कार्य भी ऑनलाइन ही किए जा रहे है। इन कामों की पेंडेंसी काफी लम्बी रहती है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि इस व्यवस्था के शुरू होने से अधिकारी अवकाश के दिन या समय होने पर घर बैठे भी अपने लंबित कामों को कर सकेंगे।

655 अधिकारियों की सूची तैयार

वेन्यू डिपार्टमेंट ने पिछले दिनों एक आदेश जारी करके सभी जिलों के अधिकारियों को अपने-अपने यहां नियुक्त अधिकारियों के लिए लैपटॉप खरीद करने के लिए कहा है। एक लैपटॉप खरीद के लिए सरकार ने अधिकतम तापमान 75 हजार रुपए का बजट आवंटित किया है।

सबसे ज्यादा दौसा में

प्रदेश के सभी 50 जिलों की जो सूची तैयार की है उसके तहत सबसे ज्यादा लैपटॉप दौसा जिले में खरीद किए जाएंगे। यहां कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार समेत अन्य पदों पर 27 अधिकारी तैनात है, जिन्हें लैपटॉप दिए जाएंगे। इसी तरह सीकर में 22, उदयपुर में 20, जयपुर ग्रामीण में 24, चित्तौड़गढ़ में 21 अधिकारी है। इन लैपटॉप की खरीद स्थानीय स्तर पर ही की जाएगी।

राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के पुत्र बने सिरोही क्रिकेट संघ के अध्यक्ष

सिरोही जिले मे अध्यक्ष बनने लाईक कोई भाजपाई नही था इसलिए मुडारा से सिरोही लाना पडा

नेताओं का पुजमोह खत्म नही हो रहा है।

नमस्ते राजस्थान

सिरोही राजस्थान के सिरोही में जिला क्रिकेट संघ के चुनाव इन दिनों जिलेभर में चर्चा में है। क्योंकि इस चुनाव में राजस्थान प्रदेश के राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के पुत्र विक्रम देवासी निर्विरोध अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हो चुके है। 14 दिसम्बर शाम को चुनाव अधिकारी नरेंद्र सिंह सिंदल की ओर से चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की देर शाम जारी की। इसमें राज्यमंत्री ओटाराम देवासी के बेटे विक्रम कुमार का अध्यक्ष पद के लिए एक मात्र फार्म आने से वे निर्विरोध निर्वाचित कर दिया है।

आज यह यह भी हुए निर्वाचित

जिला क्रिकेट संघ के निर्विरोध सचिव राजेश माथुर बन गये है। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य के लिए मतदान किया गया। जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर संजीव सिंह सांखला विजयी घोषित हुए वही उपाध्यक्ष पद पर भरत प्रजापत और गोपाल माली विजयी घोषित, हरिओम दत्ता और मुकेश माथुर बने सह सचिव, कोषाध्यक्ष पद पर राजेंद्र कुमार सोलंकी की जीत हुई, कार्यकारिणी सदस्य के पद पर सुखदेव आर्य, कमल सगरवंशी, नारायण रांगी और अनिल शर्मा विजयी हुए।

क्या कहते है जिम्मेदार

चुनाव अधिकारी नरेंद्र सिंह सिंदल ने बताया कि चुनाव को लेकर शनिवार को फार्म की नाम वापसी के दौरान अध्यक्ष पद के लिए मदन सिंह व कार्यकारिणी सदस्य के लिए संजीव सिंह सांखला ने अपना नाम वापस लिया। सचिव पद के लिए उम्मीदवार महेंद्र सिंह उमठ का फार्म खारिज कर दिया। महेंद्र सिंह का फ्रॉम नियमों के तहत खारिज किया गया है, वो दोनों नाव में दो सवारी करना चाहते थे, लोढ़ा समिति कि रिपोर्ट के अनुसार एक आदमी एक खेल संघ में रह सकता है, उन्होंने जो फ्रॉम दिया उसमे वो कॉपी नहीं लगाई, ऐसे में मुझे कोई सपने तों आता नहीं, यदि उन्होंने त्याग पत्र दिया था तो उसकी कॉपी उसके साथ लगानी थी जो नहीं लगाई। मैंने खेल संघ से पता करके कॉपी निकलवा दी थी जिसमें उन्होंने त्याग पत्र नहीं दिया था, यह कहना चुनाव अधिकारी का है इसलिए उनका फॉर्म रिजेक्ट कर दिया। ऐसे में महेंद्र सिंह उमठ ने चुनाव अधिकारी पर निष्पक्षता से कार्य नहीं करने के कई आरोप लगाए हैं।

लोगों ने सोशल मीडिया पर उठाने गंभीर सवाल..?

सिरोही के लोगों ने सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर लिखा की मंत्री जी का पुत्र जिला क्रिकेट संघ का अध्यक्ष जरूर बन गये है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिवारवाद की नीति पर राजस्थान की पर्ची सरकार के राजस्थान सरकार के राज्यमंत्री ओटाराम देवासी नें करारा तमाचा जड़ा है और सिरोही के स्थानीय नेताओ को हवा हवाई करके बाहरी लोगों के लिए दरी बिछाने वाले भाजपाई कल भी दरी बिछाते थे, आज भी दरी बिछाते हैं और बिछाते रहेंगे। ओर निशाना साधते हुए लिखा कि क्योंकि इनका जिला अध्यक्ष उदयपुर से हैं तो सिरोही भाजपा का विधायक पाली से और तो मंत्री ने अपने पुत्र को भी सिरोही में स्थापित करना शुरू कर दिया है। राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के पुत्र के सिरोही क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बनने का बाद एक बार फिर ओटाराम देवासी विपक्षी पार्टियों के निशाने पर आ गये है। जिसको लेकर सोशल मीडिया पर कई सवाल उठ रहे है। लोगों का आरोप है स्थानीय को दरकिनार करके बाहरी को अध्यक्ष बनाया है सहित कई गंभीर सवाल खड़े किये है -सिरोही के आम लोग व शिवगंज की जनता कह रही है क्या सिरोही में अध्यक्ष बनने लायक कोई नहीं था इसलिए मंत्रीजी को अपने पुत्र को मुंडारा से लाना पड़ा या अन्य राजनीतिक कोई है क्या होगा सिरोही जिले का जो अब छोटी-मोटी कमेटी के अध्यक्ष भी बहार से लाने पड़ रहे है ज्यादातर कमेटियों में तो आज भी कांग्रेस ही चला रहे है भाजपाई को मौका नहीं मिल रहा है और इन कमेटी में बहारी लोगों को लाकर बनाना ही सवाल उठ रहा है क्या होगा अब सभी बाकी बची कमेटियों के चुनाव निष्पक्ष होगे या अन्य या एक ही नेता को सब पद दिए जाएंगे मंजीजी को एक ही आदमी नजर आ रहे हैं सैकडों लोगो ने चुनाव जिताए है पर एक के हाथो मे चौटी है नेताओं की

विजय दिवस के मौके पर सोनार दुर्ग पर सेना ने चलाया सफाई अभियान

नमस्ते राजस्थान

तनेराव सिंह जैसलमेर 16 दिसम्बर 1971 पाकिस्तान पर भारत की जीत को समर्पित विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सेना द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। सोनार फोर्ट पर ह्यभागीदारी व जिम्मेदारी अभियान के तहत सेना ने सफाई की। भारतीय सेना की 128 ईको टास्कफोर्स राजपूताना राइफल्स मोहनगढ़, नगर परिषद जैसलमेर व दुर्गवासी जैसलमेर के आपसी सामंजस्य में सफाई अभियान का आयोजन किया गया। नगरपरिषद आयुक्त लजपाल सिंह ने बताया- सफाई अभियान का मुख्य उद्देश्य 128 ईको टास्कफोर्स राजपूताना राइफल्स मोहनगढ़ के भागीदारी व जिम्मेदारी अभियान के तहत सेना एवं आम नागरिकों की भागीदारी से शहर को स्वच्छ व सुन्दर बनाना है। आयुक्त लजपाल सिंह ने बताया- सोमवार को विजय दिवस के मौके पर विशेष सफाई अभियान में सोनार दुर्ग के दशहरा चौक, जैन मंदिर के आसपास का क्षेत्र, किले के परकोटे, मोरियों व बुर्ज आदि स्थानों पर सफाई की गई। सेना के जवानों, नगर परिषद के कर्मचारियों, दुर्गवासी एवं आमजन द्वारा सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस मौके पर कर्नल प्रतुल थपलियाल, मेजर अनन्तसिंह, मेजर रुपक, मेजर श्रीनु एवं नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह द्वारा वहां मौजूद सेना के जवानों, नगर परिषद कर्मचारियों, दुर्गवासी और आमजन को स्वच्छता की शपथ भी दिलवाई। सफाई अभियान में समाजसेवी विमल गोपा एवं दुर्गवासी टीम ने विशेष योगदान दिया।

महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारी पाली के पूर्व सांसद जैन से मिले

सुमेरपुर शनिवार को महावीर इंटरनेशनल संस्थान सुमेरपुर शिवगंज के पदाधिकारी पाली के पूर्व सांसद पुष्प जैन से मिले महावीर इंटरनेशनल संस्था के संयोजक दीपक गोयल बताया की वही महावीर इंटरनेशनल संस्थान के पुष्प जैन प्रदेश पदाधिकारी भी रहे हुए हैं महावीर इंटरनेशनल के आगामी महावीर इंटरनेशनल के मेडिकल परामर्श निशुल्क शिविर आंख नाक कान बीपी शुगर जैसे विभिन्न स्वास्थ्य सेवा कार्यों जुड़े कैंपों को लेकर मार्गदर्शक के रूप में महावीर इंटरनेशनल सुमेरपुर शिवगंज के पदाधिकारी मिले और आगामी मेडिकल कैंप को लेकर पूर्व सांसद पुष्प जैन से निशुल्क मेडिकल कैंपों की तैयारी को लेकर रूपरेखा बताई पूर्व सांसद को पूर्व सांसद ने कहा कि महावीर इंटरनेशनल संस्था का हर एक सदस्य सेवा कार्य की भावना रखता हर एक आदमी जनवरी से दिसंबर के बीच में महावीर इंटरनेशनल संस्था शिवगंज सुमेरपुर के नेतृत्व में 25 निशुल्क मेडिकल कैंपों का आयोजन किया जाएगा जिसको लेकर तैयारी पूरी कर दी गई हैं जोनल अध्यक्ष अनिल जैन संस्था अध्यक्ष माधव दत्त दवे कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल सचिव पंकज जैन सह सचिव मुकेश परमार संयोजक दीपक गोयल सहसंयोजक नरेश सांखला योगेश पटवा हीरालाल पालीवाल राजेश जैन ने पूर्व सांसद जैन सभी को आश्वासन दिया की हमेशा आपके साथ खडा रहूँगा कभी भी याद करोगे तो हाजिर रहूँगा सभी नै सांसद का आभार व्यक्त किया

3 बार असफल हुआ,लास्ट चांस में बना लेफ्टिनेंट:

इंटरव्यू के लिए मां को सोने की अंगूठी बेचनी पड़ी,एयरफोर्स में भी हुआ था सिलेक्शन

नमस्ते राजस्थान

कोटा कोटा का राहुल वर्मा कड़ी मेहनत के बाद आर्मी लेफ्टिनेंट बनकर घर लौटा है। राहुल के कोटा पहुंचने पर परिवार वालों और रिश्तेदारों ने ढोल-नगाड़ों से जोरदार स्वागत किया। उसे रेलवे स्टेशन से ओपन कार में बैठाकर घर लाए। गली में पहुंचने पर लोगों ने राहुल को कंधे पर उठा लिया और मकान तक छोड़ा। राहुल की सफलता के पीछे संघर्ष की कहानी छिपी हुई है। राहुल के पिता नंदकिशोर स्टेशन इलाके में दो कमरों के मकान में रहते है। एक कमरे में प्रेस की दुकान है। दूसरे कमरे में पूरा परिवार रहता है। परिवार एक बेटी व एक बेटा राहुल है। बड़ी बेटी प्राइवेट स्कूल में टीचर है।

एयरफोर्स में सिलेक्शन हुआ,जॉइन नहीं किया

लेफ्टिनेंट राहुल ने बताय- जिस इलाके में वे रहते है। वहां अक्सर आर्मी के जवानों को देखा करते थे। उनका सपना था कि वो भी आर्मी में जाकर देश की सेवा करें। इसके लिए तीन बार एनडीए का एग्जाम दिया। लेकिन सफलता नहीं मिली। इस बीच साल 2019 में एयरफोर्स में भी सिलेक्शन हुआ। वहां पर पोस्ट छोटी मिली। इसलिए जॉइन नही किया।

बिना कोचिंग के सफलता हासिल की

राहुल ने बताया- परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं थी इसलिए यूट्यूब ओर सोशल मीडिया के जरिए पढ़ाई की। साल 2020 में फिर से एनडीए का एग्जाम दिया।आखिरी चांस में सिलेक्शन हो गया। 95 रेंक हासिल की। 4 साल की पुणे और देहरादून में ट्रेनिंग के बाद आर्मी ऑफिसर बनने का सपना पूरा हो गया। पूरे बेच में हिंदी मीडियम से पढ़ा इकलौता था।बाकी सभी इंग्लिश मीडियम से पढ़े लिखे थे। राजस्थान से एकमात्र मेरा सिलेक्शन हुआ। राहुल ने बताया- उनके परिवार में कोई भी सरकारी नौकरी में नहीं था। बहन शिवानी प्राइवेट स्कूल में जॉब करती हैं। उसने मुझे हमेशा मोटिवेट भी किया। आर्थिक मदद में भी उसने कोई कमी नहीं छोड़ी। राहुल ने स्टेशन क्षेत्र के ही प्राइवेट हिंदी मीडियम स्कूल से 12वीं तक पढ़ाई की थी। एनडीए में सिलेक्शन के बाद इंटरव्यू के दौरान इंग्लिश कमजोर होने की समस्या भी सामने आई। कड़ी मेहनत करके इंटरव्यू को भी फाइट किया। इंडियन मिलिट्री अकादमी के पासिंग आउट परेड का हिस्सा बना जो जिंदगी का सबसे बेहतरीन पल था।

मां ने अंगूठी बेच फ्लाइट से भेजा

पिता नंद किशोर ने बताया- शुरू से ही आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। राहुल का 2020 में सेंटर बेंगलुरु आया। उस समय कोविड का दौर चल रहा था। तब राहुल की मां ने अपनी सोने की अंगूठी को बेचकर फ्लाइट से बेंगलुरु भेजा। लेकिन उस समय भी सिलेक्शन नहीं हुआ। राहुल ने हार नहीं मानी ओर नतीजा आज लेफ्टिनेंट बनकर ही माना। इस पूरे सफर में समाज के लोगों ने भी आर्थिक मदद दी। आज समाज के लिए राहुल प्रेरणा बन रहा है। बेटा देश सेवा में परिवार का नाम रोशन करेगा। जिंदगी में इससे बड़ी खुशी एक पिता के लिए क्या हो सकती है।

जैसलमेर में महिलाओं की सुरक्षा करेगी कालिका पेट्रोलिंग यूनिट:

टोल फ्री नंबर 1090 किए जारी, सूचना मिलते ही मौके पर आएगी महिला जवान

नमस्ते राजस्थान

जैसलमेर जिले में 2 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का शुभारंभ किया गया। ये कालिका पेट्रोलिंग यूनिट जिले में महिलाओं को सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री द्वारा कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के गठन करने के निदेर्शों की पालना में पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर के आदेशानुसार जैसलमेर में 2 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट स्वीकृत की गई है। जैसलमेर जिले में भी 2 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट में प्रशिक्षित महिला कॉन्स्टेबल को तैनात कर दोनों यूनिट को तैनात किया गया। कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का पर्यवेक्षण थानाधिकारी महिला पुलिस थाना जैसलमेर एवं एएसपी महिला अपराध एवं अनुसंधान प्रकोष्ठ जैसलमेर द्वारा किया जाएगा। ट्रोल फ्री नंबर 1090 पर कॉल करने पर तुरंत सहायता को टीम पहुंचेगी।

महिलाओं की सुरक्षा में 8 महिला जवान तैनात

एएसपी कैलाश दान जुगतावत ने बताया- कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का मुख्य कार्य सार्वजनिक स्थल स्कूल, कॉलेज, धार्मिक स्थल, मॉल, पार्क व बसों आदि भीड़भाड़ वाले स्थान एवं अन्य संवेदनशील स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले छेड़छाड़, छींटाकसी, चेन स्नेचिंग और अन्य घटनाओं की प्रभावी रोकथाम, महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर अकुंश लगाने एवं उनकी सुरक्षा के लिए कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का गठन किया गया। इसमें जिले में 2 स्कूटी मिली है। इस यूनिट में 8 महिला जवानों को तैनात किया गया है।

टोल फ्री नंबर 1090 पर मिलेगी सुविधा

राज्य सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए राज कोप पर सिटीजन एप्प डाउनलोड करके नीड हेल्प के नाम से अभियान चलाया गया है। जिसके टोल फ्री नंबर 1090 है। इस नंबर पर कोई भी पीड़ित महिला अथवा बालिका कॉल करने पर महिला सुरक्षा से जुड़ी टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच जाएगी।

ब्रेन डेड युवक के ऑर्गन दुकानदार को लगाए:

हेलिकॉप्टर से लाए थे किडनी,लीवर; रात दो बजे तक चली ट्रांसप्लांट प्रक्रिया

जोधपुर झालावाड़ में ब्रेन डेड युवक की किडनी और लीवर जोधपुर एम्स में एडमिट 33 साल के युवक को डॉक्टरों की टीम ने रविवार देर रात 2 बजे ट्रांसप्लांट किया गया। युवक बीकानेर जिले के नोखा क्षेत्र में किराना की दुकान करता है। पिछले कुछ समय से किडनी और लीवर की परेशानी से जूझ रहे थे। परिजनों ने अहमदाबाद जयपुर में कई जगह पर दिखाया, जहां डॉक्टरों ने डायलिसिस शुरू किया। इसके बाद वे एम्स पहुंचे। यहां जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें ट्रांसप्लांट की सलाह दी। उनके मैच का डोनर मिलने पर ट्रांसप्लांट किया गया। बता दें कि झालावाड़ निवासी युवक विष्णु (33) का झगड़ा हुआ था, जिससे उसके सिर में चोट लगी। उसे एसआरजी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था। सिर के ऑपरेशन के बाद भी 13 दिसंबर को उसका ब्रेन डेड हो गया था। इस पर परिजनों ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए स्वीकृति दी। विष्णु के अंग जयपुर में दो मरीजों को लगाए गए, जिनमें हार्ट लंग और किडनी ट्रांसप्लांट जयपुर के रटर हॉस्पिटल में किया गया।

ओवरब्रिज निर्माण के कारण बस ऑपरेटर परेशान:

लंबा चक्कर लगाकर जाने से आर्थिक नुकसान, कलेक्टर का दिया ज्ञापन

चूरू शहर की पूनिया कॉलोनी के पास बन रहे ओवरब्रिज निर्माण के कारण बस व छोटे वाहन सवारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते निजी बस संचालकों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। इसको लेकर सोमवार दोपहर निजी बस यूनियन के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में यूनियन के अध्यक्ष बिशन सिंह ने बताया कि शहर में पुनिया कॉलोनी के पास ओवरब्रिज बन रहा है। जिसको बनने में दो से तीन वर्ष का समय लगेगा। चूरू से राजगढ़ व चूरू से झुंझुनूं जाने वाले वाहनों को रतननगर से होकर जाना पड़ता है, जिससे वाहनों को काफी समय लगता है। जिससे बस संचालकों को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर पहले भी जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई कोई समाधान नहीं हुआ है। अगर जिला प्रशासन ने समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया तो बस यूनियन की ओर से चक्का जाम किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में सांवत सिंह, इंद्रकुमार, शीशराम बेनीवाल, सरवर, कश्मीर सिंह, नीटू गढ़वाल, जयलाल, इदरिश खान, रामचन्द्र, चंदगीराम, दलीप, सोहिल खान, शमशेर सिंह, सिकन्दर खान, विजय, मनीष, याकूब, संदीप सिंह व शंकर सिंह आदि मौजूद थे।

अजमेर में नगर निगम की कार्रवाई, 3 होटल सीज:

जी - 2 की स्वीकृति के बावजूद जी - 4 का करवाया निर्माण, पहले दिया था नोटिस

अजमेर

अजमेर नगर निगम की ओर से सोमवार को गंज और दरगाह क्षेत्र में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। निगम की टीम ने स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण करने पर 3 होटल को सीज किया है। इस दौरान गंज और दरगाह थाना पुलिस मौजूद रही। नगर निगम अधिशासी अभियंता धर्मेंद्र आनंद, अतिक्रमण प्रभारी डॉक्टर रविश सामरिया के नेतृत्व में टीम ने सोमवार को गंज और दरगाह थाना क्षेत्र में सीज की कार्रवाई की। अधिशासी अभियंता धर्मेंद्र आनंद ने बताया- गंज थाने के सामने एक होटल को सीज किया गया है। होटल मालिक मीनाक्षी कंवर सिसोदिया ने जी + 2 की स्वीकृति ली थी लेकिन होटल को स्वीकृत नक्शे के विपरीत जाकर जी + 4 बना लिया, जिसको देखते हुए कार्रवाई की गई। आनंद ने बताया- इसके साथ ही शोभराज होटल के पीछे भी एक होटल को सीज किया गया है। होटल मालिक साजिदा बेगम ने होटल के लिए जी + 2 का नक्शा स्वीकृत करवाया था लेकिन जी + 4 निर्माण करवाने पर यह कार्रवाई की गई। अधिशासी अभियंता ने बताया- इसके साथ ही अंदर कोर्ट क्षेत्र में भी टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया है। होटल मालिक ने आवासीय नक्शे पर जी प्लस 4 निर्माण करवाया है, जिसमें व्यवसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थी। इसके तहत भी यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि सभी को कार्रवाई करने से पहले नोटिस दिया गया था। रिकॉर्ड्स चेक करने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

उत्कर्ष कोचिंग के बाहर छात्रों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

NSUI-के प्रदेश अध्यक्ष गिरफ्तार;मेन रोड को जाम करने का कर रहे थे प्रयास

नमस्ते राजस्थान

जयपुर जयपुर में उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के सामने धरने पर बैठे युवकों को पुलिस ने लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया है। ये छात्र मुख्य सड़क को जाम करने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने मौके पर मौजूद युवकों पर लाठीचार्ज कर दिया। उत्कर्ष कोचिंग के बाहर धरना दे रहे एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले सोमवार सुबह पुलिस ने उत्कर्ष कोचिंग सेंटर को सील कर दिया। यहां पहुंची ग्रेटर नगर निगम की टीम ने यह कार्रवाई की है। ऋछ की टीम ने यहां से पानी का सैंपल भी लिया है। क्लास रूम में लगे उउळश कैमरे के फुटेज भी लिए गए हैं। रविवार (15 दिसंबर) को इस कोचिंग में क्लास के दौरान कई स्टूडेंट्स बेहोश हो गए थे। इस दौरान छात्र नेताओं से पुलिस की झड़प भी हुई थी। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोचिंग संस्थानों को प्रताप नगर स्थित कोचिंग हब शिफ्ट करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में ऐसी दुर्घटनाएं कभी भी बड़ा रूप ले सकती हैं। दूसरी ओर, निगम की इस कार्रवाई के विरोध में कोचिंग के छात्र उतर आए हैं। उनका कहना है कि इससे उनका करियर बर्बाद हो जाएगा। इसलिए सील खोली जाए।

रविवार शाम क्लास के दौरान हुआ था हादसा

जयपुर के महेश नगर (श्रीगोपाल नगर) स्थित उत्कर्ष कोचिंग में दूसरी मंजिल पर रविवार शाम करीब 6:45 बजे क्लास चल रही थी। इसी दौरान पूरे क्लासरूम में अजीब सी स्मेल आने लगी। स्टूडेंट्स जोर-जोर से खांसने लगे और एक-एक कर बेहोश होने लगे। उत्कर्ष कोचिंग क्लासेज के प्रबंधन ने 108 एंबुलेंस को बुलाया। इस दौरान अन्य छात्रों ने बेहोश छात्र-छात्राओं को कंधे पर उठाकर बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से पास के प्राइवेट हॉस्पिटल पहुंचाया था।

निगम के अधिकारी बोले- जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, सील नहीं खुलेगी

सोमवार सुबह ग्रेटर नगर निगम के मानसरोवर जोन के उपायुक्त लक्ष्मीकांत कटारा के नेतृत्व में टीम कोचिंग पहुंची। यहां घटनास्थल पर एक-एक बिंदुओं पर जांच की गई। इनके साथ आई ऋछ टीम ने बाकायदा पानी का सैंपल लिया। इसके बाद कटारा ने कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, कोचिंग सील रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि गैस रिसाव जैसी कोई बात नहीं है। इस बात से भी इनकार किया कि बराबर की बिल्डिंग में चल रहे पीजी के किचन से आई स्मेल के कारण कोई बेहोश हुआ होगा।

छह सदस्यीय कमेटी जांच करेगी

ग्रेटर नगर निगम के मानसरोवर जोन के स्तर से छह सदस्यीय जांच कमेटी बनाई गई है। इसमें अधिशाषी अभियंता संदीप माथुर, सहायक नगर नियोजक सीमा माथुर, राजस्व अधिकारी सुनील बैरवा, सहायक अग्निशमन अधिकारी देवांग यादव, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक सुरेश कुमार और सहायक स्वास्थ्य निरीक्षक नेहा मण्डावरिया शामिल हैं। कब तक जांच रिपोर्ट देनी है, यह स्पष्ट नहीं किया गया है।

कार्रवाई के विरोध में उतरे उत्कर्ष कोचिंग के स्टूडेंट्स

अब उत्कर्ष कोचिंग के स्टूडेंट सील की कार्रवाई के विरोध में उतर आए। कोचिंग के सामने बड़ी संख्या में ऐसे स्टूडेंट इकट्?ठे हो गए और विरोध जताने लगे। उनका कहना है कि जब तक कोचिंग का सील नहीं खुलेगा, हम धरने पर बैठे रहेंगे।

पुलिस ने किया लाठीचार्ज

उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के सामने धरने पर बैठे युवकों को पुलिस ने लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया। ये छात्र मुख्य सड़क को जाम करने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने मौके पर मौजूद युवकों पर लाठीचार्ज कर दिया। उत्कर्ष कोचिंग के बाहर धरना दे रहे एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

स्टूडेंट्स बोले- हमारा करियर खराब हो जाएगा

उत्कर्ष कोचिंग में पढ़ने वाले स्टूडेंट रामगोपाल ने बताया- मैं धौलपुर का रहने वाला हूं। रिसाव होने के बाद सर ने कहा कि सभी जल्दी से बाहर निकल जाओ। हम सभी स्टूडेंट बाहर आ गए। अब हमारा कोचिंग सेंटर बंद कर दिया है। रीट के एग्जाम आने वाले हैं। 5 दिन यदि कोचिंग बंद रहा तो हमारा करियर ही खराब हो जाएगा।

छात्र नेता निर्मल चौधरी का धरना खत्म

रविवार देर रात राजस्थान यूनिवर्सिटी के निवर्तमान छात्र संघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी अपने समर्थकों के साथ पहुंच गए थे। छात्र नेताओं, उनके समर्थकों की पुलिस से झड़प भी हुई थी। कई छात्रों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया था। इसके बाद निर्मल चौधरी सहित तमाम छात्र नेता धरने पर बैठ गए थे। उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के सामने छात्र नेता निर्मल चौधरी और विकास विधूड़ी के साथ 20 छात्र पूरी रात धरने पर रहे। सील की कार्रवाई के बाद इनका धरना सोमवार दोपहर में खत्म हो गया। छात्र नेता निर्मल चौधरी ने कहा- मुझे कल जानकारी मिली कि कोचिंग छात्रों की हालत खराब हो गई है। दस मिनट बाद ही मैं यहां पहुंच गया था। देखा कि पुलिस कोचिंग माफिया की ढाल बनी हुई थी। कुछ छात्रों को किसी अस्पताल में भेज दिया, कुछ को कहीं और भेज दिया। हमें पता नहीं कि छात्रों को कहां ले गए। ऐसे में हम रात में कोचिंग के सामने ही धरना देकर बैठ गए थे।

सभी कोचिंग संस्थानों की जांच हो

सोमवार सुबह धरनास्थल (महेश नगर) पर छात्र नेता विकास विधूड़ी ने कहा- हम रात भर धरने पर बैठे रहे। कोचिंग संस्थान जेडीए-नगर निगम के नियमानुसार नहीं चल रहे हैं। सभी कोचिंग संस्थान की जांच की जाए। ताकि यह पता चल सके कि मापदंडों पर ये खरे हैं या नहीं। दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

दूसरी मंजिल पर चल रही थी क्लास

रल्ड (महेश नगर) कविता शर्मा ने बताया- रिद्धि-सिद्धि तिराहे के पास एक बिल्डिंग में उत्कर्ष कोचिंग चलती है। 15 दिसंबर की शाम को दूसरी मंजिल पर कोचिंग के रूम नंबर 201 में क्लास चल रही थी। शाम करीब 6:45 बजे क्लास में पढ़ाई के दौरान एक अजीब बदबू आने के चलते क्लास में मौजूद 12 से ज्यादा छात्र-छात्राओं को बेहोशी छाने लगी।

2 छात्र अब भी हॉस्पिटल में एडमिट हैं

एसीपी सोडाला योगेश चौधरी ने बताया- कोचिंग छात्रों की हालत बिगड़ने के बाद 5 छात्राओं को एसएमएस हॉस्पिटल ले जाया गया था। यहां इलाज के बाद रात में उन्हें छुट्?टी दे दी गई, जबकि दो कोचिंग छात्र सीके बिड़ला हॉस्पिटल में अभी भी भर्ती हैं। हालात बिगड़ते देख पुलिस प्रशासन ने रविवार रात करीब 11 बजे दंगा नियंत्रण वाहन भी बुला लिया था। इसके अलावा पुलिस लाइन से रिजर्व फोर्स को भी तैनात किया गया था।

प्रत्यक्षदर्शी छात्र बोला- स्टूडेंट्स को बाहर निकालने में परेशानी हुई

प्रत्यक्षदर्शी स्टूडेंट युधिष्ठिर ने बताया- 201 नंबर क्लास रूम में ये हादसा हुआ। वैसे तो 800 के करीब बच्चे इस क्लास रूम में बैठते हैं, लेकिन आज संडे होने के चलते 350 स्टूडेंट्स ही आए थे। सबसे बड़ी समस्या थी कि बेहोश हुए स्टूडेंट्स को बाहर लाने में 15 से 20 मिनट लग गए। इलाज में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आई। लड़कियों को उठाने और बाहर लेकर आने में समस्या आई। हम भी उसी क्लास के अंदर थे। अजीब सी बदबू आ रही थी, हम सबको अचानक खांसी आने लगी। **उन्होंने बताया-** क्लास में हुई स्थिति को देखकर हड़कंप मच गया था। उत्कर्ष कोचिंग क्लास के प्रबंधन ने एंबुलेंस बुलाकर बेहोशी की हालत में स्टूडेंट्स को नजदीकी प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। डॉक्टर्स का कहना है कि सभी की हालत में सुधार है। प्रारंभिक पूछताछ में बच्चों ने बताया कि अजीब बदबू आने के बाद वह बेहोश हो गए।

घटना के बाद कोचिंग प्रबंधन ने डाल दिए थे ताले

रविवार को सूचना मिलने पर ग्रेटर नगर निगम मानसरोवर जोन की टीम जांच के लिए पहुंची थी। तब तक कोचिंग प्रबंधन ने बिल्डिंग के ताले लगा दिए थे।

पूर्व सीएम ने कहा- कोचिंग हब में शिफ्ट किए जाएं

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा- रविवार रात जयपुर में एक कोचिंग संस्थान में हुई दुर्घटना चिंताजनक है। हमारी सरकार के समय कोचिंग संस्थानों के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी की गई थीं। भीड़भाड़ वाले इलाकों के स्थान पर अच्छे वातावरण के लिए सोच-समझकर प्रताप नगर (जयपुर) में कोचिंग हब बनाया गया था। अविलंब सारे कोचिंग संस्थान पिछली सरकार द्वारा बनाए गए कोचिंग हब में शिफ्ट किए जाएं।

सचिन पायलट बोले- हादसे की गहनता से जांच हो

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा- जयपुर के एक कोचिंग इंस्टिट्यूट में गैस रिसाव के कारण कई स्टूडेंट्स तबीयत बिगड़ने के कारण बेहोश हो गए थे। यह बेहद चिंताजनक घटना है। इसकी जांच होनी चाहिए। सरकार समस्त कोचिंग संस्थानों के लिए सुरक्षा नियम जारी कर उनकी सख्ती से पालन करवाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

कोटा में कोचिंग सेंटर का सर्वे शुरू

जयपुर हादसे के बाद कोटा में भी जांच शुरू हो गई है। नाले या उसके आसपास बने कोचिंग सेंटर का सर्वे सोमवार को शुरू कर दिया गया है। चीफ फायर ऑफिसर राकेश व्यास के नेतृत्व में टीम ने दादावाड़ी स्थित कोचिंग संस्थानों का सर्वे किया। एक कोचिंग में बड़ी संख्या में बच्चे मिले, परंतु संस्थान के पास फायर डिपार्टमेंट का एनओसी नहीं था।

शहर के भाजपाई पूर्व विधायक से डरते है

आजतक पूर्व विधायक का विरोध नही किया है हा मे हा ही करते है

पूर्व पार्षद माली ने प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ साहब से शिवगंज नगर पालिका चुनाव निष्पक्ष करवाने की माँग की

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज आज जयपुर में भाजपा मुख्यालय जयपुर मे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मुलाकात कर पूर्व पार्षद जैसाराम माली ने शिवगंज नगर पालिका चुनाव निष्पक्ष करवाने की मांग की गई है क्योंकि नगरपालिका में बोर्ड कांग्रेस का होते हुए इन्होंने वार्ड का गठन गलत तरीके से किया हुआ है कांग्रेस का बोर्ड ही बने ऐसा इन्होंने गठन किया क्योंकि यहां पर बैठे भाजपाई पदाधिकारी यहां के पूर्व विधायक के गुलाम है इनसे से डरते हैं उनके सामने एक शब्द नहीं बोलते हैं विरोध नही करते है ईनकी गलत नितीओ का चाहे वह हंड्रेड परसेंट गलत काम करें क्योंकि यहां के भाजपाइयों के सबके गलत काम फैक्ट्रियां वह उद्योग धंधे है इसलिए सबको धंधा करना है इनको बीजेपी से कोई लेना-देना नहीं है यह सभी व्यापारी है इसलिए इसका यह फायदा उठाकर पूर्व विधायक कांग्रेस पार्टी का बोर्ड बनाने के लिए ही वाले ऐसे गठन किए हुए है क्योंकि इन्होंने वार्ड कांग्रेस के वार्ड छोटे-छोटे कर-के छोड़ दिए जहां पर 200 वोट 300 वोट 400 वोट ही सीमित है क्योंकि भाजपाईयों के जो जितनी भी वार्ड है वह एक हजार वोट से ऊपर है यहां पर एक वार्ड में 200 वोट है कहां पर 1200 वोट जिससे नगर पालिका चुनाव निष्पक्ष कैसे होंगे यहां पर जो बीएलओ बने हुए हैं एक भाग में ही वोटिंग दो जगह होती है आधा पास की दादाबाड़ी स्कूल में राजपूत वास पूरी गोकुलवाली के स्कूल के अंदर जाकर वोट करती है क्योंकि राजपूत वास वह कुछ आनंद नगर आधी सुथारो का वास या 100% भाजपाईओ के वोट है इसलिए इनका तीन किलोमीटर दूर करना कितना गलत होगा क्योंकि अब वापस नगर पालिका चुनाव की तैयारी चल रही है वार्ड का पुनर्गठन होना जरूरी है क्योंकि पास के ग्रामीण क्षेत्र केसरपुरा बड़गांव चांदाना अखापुरा कलापुरा सब है वह श्री जी कॉलोनी शिवम कॉलोनी सहित अन्य कॉलोनी पंचायत में नाम आता है पर बहार के ज्यादातर वोटर के नाम नगर पालिका में जुड़े हुए क्योंकि पार्षद अपने क्षेत्र के नाम अपने वार्ड में जोड़ देते हैं बिना चाहते नाम पंचायत में रखे हुए तुरंत ही अगर वार्ड म का गठन नहीं किया गया तो चुनाव निष्पक्ष नहीं हो सकते पूर्व पार्षद माली ने प्रदेश अध्यक्ष को पूरा अवगत करवाया प्रदेश अध्यक्ष ने आसपास कि जल्दी ही शिवगंज नगर पालिका के चुनाव निष्पक्ष होंगे क्योंकि अब सरकार बीजेपी की है अब कांग्रेसियों का नहीं चलेगा इसलिए पूर्व विधायक से डरने की जरूरत नहीं है और कार्य किए जाओ जनता का जितना भला करोगे उतने वोट भाजपा को मिलेंगे मोदी जी की वह भजनलाल सरकार की योजना आम जनता तक पहुंचाओ ज्यादातर गरीबों का महिलाओं को फायदा मिल सके जिससे ही भारतीय जनता पार्टी का बोर्ड नगर पालिका शिवगंज मे बनेगा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जैसाराम माली को समस्या जल्दी हल होने व आम जनता को भारतीय जनता पार्टी से जोड़ने की बात कही है वह जल्दी ही हर बुथ की जांच करवाऊंगा अगर अधिकारीओ ने उलटे सीधे काम किया तो वह जल्दी निलंबित होंगे शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र व पैराफैरी सुमेरपुर पालिका मे विकास कार्य की कमी नही आएंगी जितना धन चाहिए विकास के लिए उपलब्ध करवाया जाएंगा

E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com

आचार्य की सम्पती 5 करोड़ की भष्टाचार ब्यूरो ने रेखाजोखा निकाला पर हजार करोड से कम नही

आचार्य के कार्यकाल मे हुए अवैध कार्य की जांच होनी चाहिए की कितने करोडो का भष्टाचार किया है

सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र मे सौ करोड की सम्पती बनाई है इनके हाथो काटे प्लोट नीलाम की सरकारी सम्पती की जाँच होनी चाहिए

सिरोही परिषद व पिंडवाडा पालिका मे रहे आचार्य के हाथो हुए कोटेशन बिल व पट्टो की जांच करवाई जाए

नमस्ते राजस्थान

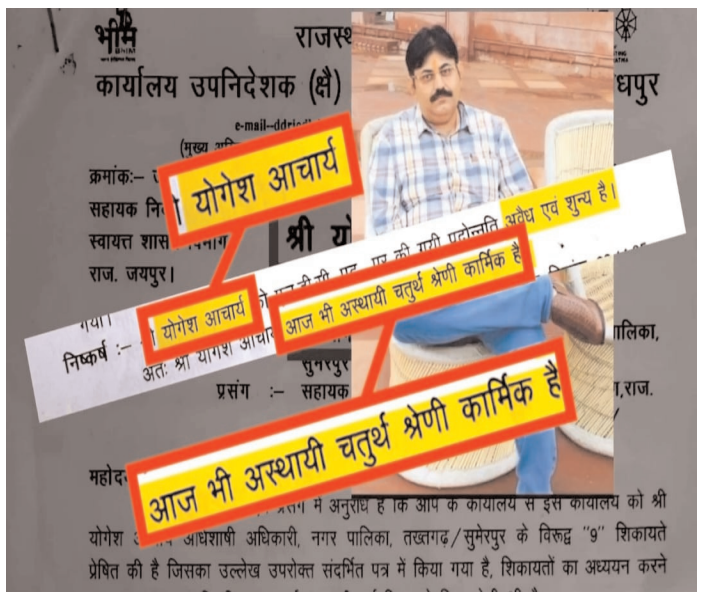

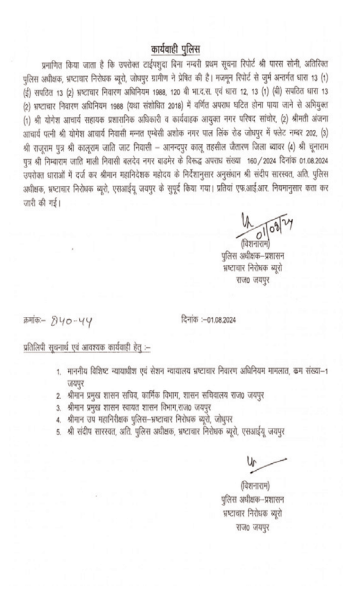

सुमेरपुर में सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी पकड़ा गया सरकार ने इनको निलंबित भी कर दिया क्या अब यह संपत्ति गरीबों के नाम की होगी या वापस इन भ्रष्टाचारियों को दे दी जाएगी सैकड़ो करोडो का भ्रष्टाचारी में बहुत लोगों को डुबाया गरीबों का खून की तरह चुचा जांच की जाए सरकारी जमीनों को फोकट में बेचा उनसे निजी खातेदार को लाखों रुपए लेकर अपना घर बनाने की कोशिश की है इससे संपत्ति बनाई वह अब भ्रष्टाचार भी उन्होंने अन लिमिटेड कर दी क्या अब यह जमीन वापस गरीबों को देंगे स्वायत शासन विभाग जयपुर को इसके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की वसूली करनी चाहिए वह गरीबों के नाम पर लूट उसको वसूला जाना चाहिए जिससे दूसरों को पता चल जाए की जिंदगी में भ्रष्टाचार नहीं कर सके योगेश आचार्य इसकी धर्मपत्नी अंजना आचार्य राजूराम कालूराम जाट चुनाराम निंबाराम जाती माली योगेश आचार्य के विरुद्ध भ्रष्टाचार ब्यूरो विरोधी अपराध संख्या 160 /2024 दिनांक 1-8 - 2024 भ्रष्टाचार ब्यूरो सी यू जयपुर यह आचार्य की संपत्ति 3 करोड़ 4 लाख 23 हजार 375 रूपए इसकी असल संपत्ति 3 करोड़ 4 लाख 23 हजार 375 रूपए इसकी धर्मपत्नी की सुविधा एक करोड़ 58 लाख 19 हजार 101रुपए खर्चो की राशि 2 करोड़ 42 लाख 357 रुपए कुल संपत्ति यो 3 करोड़ 43375 प्लस 2 करोड़ 42 लाख 357 रुपया बराबर 5 करोड़ 46 लाख 61000 आचार्य की संपत्ति 3 करोड़ 48 लाख 41981रुपए कुल 175 , 80% प्रतिशत ज्यादा आए हुए क्योंकि और भी कई जगह बड़े-बड़े भ्रष्टाचार किए हुए वह रिकॉर्ड नहीं थे सरकार द्वारा जो इसकी संपत्ति का किया गया वह नियम के अनुसार किया पर वास्तविक रेट क्या है कोलीवाडा की कुल जमीन किसने बहुत ही गलत बताई क्योंकि इसलिए भूमि बड़ी है इसलिए रजिस्ट्री 2020 में खरीद की थी 51 लाख 95000 हजार इसकी संपत्ति बताई गई जो आज करोड़ों के बराबर है निर्माण दिन मकान भी 50 लाख का होना पाया गया जो मकान ?50 की रेट है योगेश आचार्य स्वयं के मोबाइल नंबर भी लिखे हुए मकान निर्माण देने दो मंजिल मकान फर्नीचर लाइट फिटिंग रंग ओपन सेनेटरी कार्य मरम्मत बेटे 2018-19 20 लाख रुपए बताया गया इसकी धर्मपत्नी अंजना आचार्य के नाम फ्लैट 2018 में 37 लॉख अपने फ्लैट के दस्तावेज भ्रष्टाचार ब्यूरो के सामने पेश नहीं की जवाई बांध बलवना तहसील सुमेरपुर खसरा संख्या 668 /135 रकबा 0.04 हैक्टेयर कृषि भूमि 2024 में खरीदा पाया गया जिसकी रेट 71620 हजार रूपए बताई गई जो लाखों रुपए में है श्रीमती अंजना आचार्य के नाम पटवारी हल्का बलवना नाम खसरा संख्या 138 / 135 कुल रकबा 1.21 हेक्टर कृषि भूमि 2023 में खरीदा पाया गया जिसका 9592 जो इसके धर्मपत्नी के नाम की है जो आज करोड़ों रुपए की है इसके ड्राइवर चुनाराम माली पुत्र निंबाराम माली बाड़मेर खसरा संख्या 133 ,134, 149 ,140, कुल 1,44 हैक्टेयर क्वालिटी किस हैक्टर कृषि भूमि 2023 में ड्राइवर के नाम पर लिया 37 लाख 19 हजार 200 रूपए बताया गया जो आज करोड़ों रुपए की है ड्राइवर के नाम पर उसकी संपत्ति कुल संपत्ति 5.46 हैक्टर 34 लाख जमीन के बदले किशोर ललीताराम चौधरी को आर टी जीएस किए चार-पांच के अनुसार 500 फीट चार दिवारी बाकी खेत की तारबंदी वह उसके अंदर 20 .20 का कमरा बना हुआ पाया 2024 में लिया गया से के नाम का है ?6 लाख रेट है अधिकारी के नाम नारायण विहार सांगानेर योजना जयपुर में रॉयल वाराणसी में एक फ्लैट नंबर 1202 कुल 35 लाख 51 हजार मे खरीदना रजिस्ट्री संख्या 3 लाख ?12 हजार कुल कीमत 65 हजार 400 होना पाया गया 2019 में लिया योगेश आचार्य के पुत्र लक्ष्य आचार्य के नाम इनोवा कर 28 लाख रुपया योगेश आचार्य के नाम में स्कॉर्पियो नंबर 17 लॉख रुपए योगेश आचार्य के नाम बोलेरो 10 लॉख रुपए योगेश आचार्य के पास एक होंडा वर-व 12 लाख मोटरसाइकिल व स्कूटी होना पाया इंश्योरेंस गूगल सर्च के नाम आइसीआइसीआइ बैंक बाड़मेर में वेतन खाता 24 लाख 47 हजार 532 इसकी पत्नी के नाम 10 लाख कुल 3 करोड़ 4 लाख 23 हजार 375 कुल संपत्ति योगेश आचार्य नगर पालिका सुमेरपुर नगर पालिका तखतगढ़ में सैकड़ो सरकारी जमीनों के पट्टे जारी कर दिए जिसकी करोड रुपए अभी दूसरी लिखिए अभी भी सुमेरपुर में विवेकानंद बस स्टैंड के सामने किस दुकान बेची जो पार्षदों को वह उसके चेहतों को आपस में बंटरबाट की यह दुकान आवंटन हो ही नहीं सकती थी क्यों यह पहाड़ी क्षेत्र में पहाड़ी क्षेत्र आवंटन हो नहीं सकता फिर भी उसने ऑप्शन पर सभी को सरकारी भाव 5 लाख के अंदर दे दी सरकार को फायदा न करवा कर खुद का फायदा किया हर दुकान का 10 लॉख रुपए लिया जिससे 3 करोड़ से अधिक आए तो इसकी इन दुकानों की है शहर में कई और ऐसे सैकड़ो फर्जी पट्टे दिए एक पट्टा के काम से कम 20 लाख रुपए लिया हुआ काम कैसे हुई इसने और दूसरों के नाम पर और संपत्ति रखी है सिरोही में आयुक्त इतने बड़े-बड़े भ्रष्टाचार किए करोड रुपए के बारे में सभापति वह मिलकर बड़े-बड़े घोटाले किए स्टोर शाखा मे सामग्री खरीदने में वह पार्टी मिलने में बड़ा भ्रष्टाचार किया सुमेरपुर नगर पालिका स्टोर शाखा वह विकास शाखा की जांच करवाई जाए श्रीमान के कार्यकाल की पता चल जाएगा कितना घोटाला किया आचार्य पिंडवाड़ा में कुछ महीने रहे वहां पर पालिका अध्यक्ष मेवाड़ा वह आचार्य ने मिलकर टेंडर वह कोटेशन बिल पर करोड़ों के फजीर्वाड़ा किए हुए जो सामान ?100 का था उसका लॉख रुपए बिल बना दिया गया जो पिंडवाडा में इन्होंने स्टोर शाखा विकास शाखा वह भूमि शाखा की जांच करवाई जाए तो पता चल जाएगा ऐसे ही भीनमाल नगर पालिका सांचौर नगर पालिका नगर परिषद जालौर में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया फिर भी इसने अपनी आय कम बताना बड़े शर्म की बात है क्या कोई बड़ी सेटिंग हुई या समझौता हुआ पता चल जाएगा क्योंकि श्रीमान द्वारा किया गया उल्टा सीधा काम उसकी जांच क्यों आने की अधिकारियों ने सिर्फ फार्म हाउस घर पर लड़की यह भ्रष्टाचारी आचार्य जहां-जगह वहां के ऑफिस होगी जांच क्यों नहीं की क्या अब वापस होगी या बड़ी सेटिंग या समझौता हो गया क्योंकि यह भ्रष्टाचारी सेटिंग करने में सबसे अधिक आगे रहता है क्योंकि इसने डीएलबी में इससे भी बड़ा भ्रष्टाचारी विमलेश शर्मा को सेटिंग कर रखा था वह यह जब चोरिया करता था वह उसका साथ देता था और इसको बचा देता था पर अब दोनों ही निलंबित हो गया देखो अब क्या कार्रवाई होती है देखते हैं यह भजनलाल शर्मा की सरकार आगे इन भ्रष्टाचार्यों के विरूद्ध जीरो टैलेंट के तहत काम करेंगे या पुराने जैसे गहलोत सरकार में हुए भ्रष्टाचार की तरह चलते रहेंगे देखते हैं नहीं तो आगे आने वाले पीढ़ी भ्रष्टाचार करने से चुप बैठ जाएगी इस भष्ट्राचारीओ आचार्य जहा जहा नगर परिषद नगर पालिका मे रहा वहा के पट्टो स्टोर शाखा कोटेशन बिल की उच्च अधिकारीओ व ईमानदार अधिकारीओ से करवाई जाए को 1000 करोड रूपए की सम्पती मिलेगी सिर्फ सुमेरपुर मे 100 करोड की सम्पती मिलेगी सबसे बडा भष्ट्राचार करने वाला है यह अधिकारी

सोसाइटी संचालकों व दलालों के नाम की जमीन खरीद कर अरबों रुपये बनाने वालों की जमीनें जब्त कर जमाकताओं के पैसे वापस देने की माँग

ईन लोगो ने पालिका प्रशासन को गुमराह कर ग्रीन बेल्ट मे आवासीय बताकर प्लान स्वीकृत कर दिया दलालों व पालिका प्रशासन के बाबुओं के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए

एक खसरे को डबल बताकर दो कोलोनी स्वीकृत करवाना मतलब करोडों रुपए का भष्ट्राचार किया है दलालों के हाथो बिका हुआ पालिका

ईन बैक संचालकों की सम्पती जब्त करनी चाहिए व कोलोनीया व फ्लोट सभी जब्त कर गरीबों को देने चाहिए जिसके साथ धोखाधड़ी की है

शिवगंज सुमेरपुर क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी संचालकों द्वारा के खिलाफ मामले दर्ज हो रहे हैं उनके विरुद्ध पर इन लोगों ने शिवगंज सुमेरपुर मे व आसपास क्षेत्र में जमीनें लेकर अपने आदमियों के नाम करके रख दि है कल्ला ने तो अपने बच्चों के नाम पर वह ईनके यहाँ पर नौकरी करने वाले लोगों के नाम पर करके रख दि है शिवगंज क्षेत्र में ही इनकी करोड़ो की जमीन पड़ी है और कॉलोनी काटकर वहां पर अपने दलाल के थ्रू पट्टे बेचे जा रहे हैं पालिका क्षेत्र में कामबेश्वर महादेव मंदिर रोड पर 3 से 4 कालोनी काटी गई है इनके द्वारा जिनका बाजार के भाव से हिसाब से आज करोड़ों रुपए हैं शहर में इनके कई पट्टे पड़े हैं वह शक्ति माता मंदिर जाने वाले सड़क पर करोड़ों की जमीन पड़ी है यह लोग तो कुछ टाइम जेल में रहकर वापस बाहर आ जाएंगे और लोगों का हड़प्पा पैसा खाकर मजा करेंगे पर लोग बेचारे उनके पीछे घूमते रह जाएंगे क्यों नहीं उनकी जमीन सरकार को जब्त कर जिन गरीबों के पैसे हैं उन्हें दे दिया जाए तब जाकर गरीबों के साथ न्याय होगा नहीं तो गरीब लोग पीछे घूमेंगे मजबूर होकर कोई आत्महत्या करेगा फिर लोग भूल जाते हैं पर यह संचालक लोग तो सिर्फ मजा करते हैं इनके अलावा इनके पास एक ही सहारा रहता है कि मुकदमा दर्ज हो गया कुछ टाइम जेल में आनंद की जिंदगी की कर आ जाएंगे सुमेरपुर निवासी शाखला ने उनके विरुद्ध धन हड़पने का मामला दर्ज करवाया क्रिएटिव क्रेडिट को ऑपरेटिव सोसायटी प्रधान कार्यालय सुमेरपुर महिला शाखा सुमेरपुर में कैलाश स्वरूप कला और उनकी पत्नी प्रमिला कल्ला की ओर से अधिक ब्याज और कम समय में राशि दुगनी करने का लालच देकर स्वयं और परिस्थितियों की ओर से बचत और साथ भी खाते में जमा करवाई लेकिन समाधि पूर्ण होने के बाद भी राशि नहीं लौटी तब उन्होंने सुमेरपुर थाना में रिपोर्ट दी कैलाश स्वरूप कल्ला प्रमिला कल्ला समिति अध्यक्ष दीपक सोलंकी महाप्रबंधक अक्षय कल्ला मुख्य कार्यकारी अधिकारी माली और संचालक मंडल सदस्य मदनलाल रावल ने उनके साथ अमानत में खयानत का मामला दर्ज करवाया सोसाइटी में निवेशकों की जमा राशि कैलाश स्वरूप कल्ला खुद एक बड़ा बैंक का मालिक बनकर घूमता था खुद को बहुत ही ईमानदार आदमी समझता था वह और उसकी पत्नी उसके बेटे के नाम अरबों की संपत्ति बना रखी है इन्होंने फिर भी सरकार उनके विरुद्ध कार्रवाई क्यों नहीं करती है वह उनके दलालों के नाम व एससी एसटी की भूमि जो उनके आदमियों के नाम कर रखी है वह जब्त कर उसको बेचकर लोगों के पैसे वापस देने चाहिए या उनकी जमीन पर कब्जा कर देना चाहिए तब जाकर यह लोग मानेंगे लोगों को धोखा देकर लोगों से धन हड़प्प कर यह जमीन खरीद कर अपने आदमियों के नाम से कर रख देते हैं फिर रोएंगे यहाँ की जनता रोएगी शिवगंज शहर में इनकी करोड़ो रुपए की जमीन पड़ी है तो सुमेरपुर आसपास क्षेत्र में कितने करोड़ो की होगी इन सभी जमीनों की जांच कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए और प्रशासन को उनके वह उनके आदमियों के नाम की जमीन पर कब्जा कर देना चाहिए कि यह आगे बेच नहीं सके कामबेश्वरजी महादेव मंदिर रोड पर तीन से चार कॉलोनी इनकी है जो उनके ज्यादातर पट्टे उठा दिए गए और कुछ पट्टे पालिका में जमा पड़े है शहर के मुख्य गोकुल वाली में भी उनके पट्टे पड़े जो करोड़ों रुपए के हैं और शहर में अन्य जगहों पर करोड़ों की जमीन पड़ी है उन सभी की जांच करवाकर तुरंत उन जमीनो को जब्त करना चाहिए तब जाकर उनके विरुद्ध बड़ी कार्रवाई होगी वह उनके द्वारा धन इकट्ठा किया है फिर उपर पैसा देकर से बाहर आकर की वापस से बाहर जाकर बस जाएंगे और उनका ही पैसा खाकर मजा करेंगे और गरीब जनता रोती रहेगी क्योंकि पूर्व में भी आदर्श सोसाइटी वालों ने लोगों को करोड़ों रुपए खाकर और ज्यादा टाइम से वह पूरे लोग जेल में थे अब कुछ लोग बाहर आ गए और वह जेल में भी आज आनंद की जिंदगी जी रहे उनको सब सुविधा मिल रही है तो यह लोग भी जेल में जाकर आनंद की जिंदगी जी रहे होंगे इनको क्या पड़ी है अपने बच्चों के नाम व आदमियों के नाम की संपत्ति कर रखी है इन लोगों के तो निवास करने वाले मकान और दुकान भी जब्त करके खुलेआम बेचकर नीलामी कर लोगों के पैसे देने चाहिए तब जाकर जनता के साथ न्याय होगा अन्यथा यह लोग बाहर आकर मजा करेंगे और बैंक खोलकर वापस लोगों के साथ धोखा करना चालू कर देंगे क्योंकि इनकी आदतों में ही लोगों के साथ धोखा करना है तो यह लोग धोखा ही करेंगे ईनका क्या कहना है शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में कामबेश्वरजी महादेव मंदिर जाने वाले सडक पर तीन चार कोलोनी शहर मे पट्टे जो अपने दलालों के नाम की जमीन ली हुई है एक शक्ति माताजी मंदिर जाने वाले सडक पर जमीन पडी है वही कामबेश्वरजी महादेव मंदिर रोड पर नालो के उपर नालो मे व ग्रीन बेल्ट में जमीनें मास्टर प्लान के विपरीत आवासीय योजना मे बताकर दलालों व जोधपुर के बडे अधिकारीयों वरिष्ठ नगर नियोजक व पालिका प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारी ने मिलकर करोडों का भष्ट्राचार व फजीर्वाडा किया है ईन सभी कोलोनी की जाँच होनी चाहिये ईन कोलोनी मे हुआ भष्ट्राचार व सरकारी जमीन पर कब्जा किया हुआ है व सरकारी जमीन पर फार्म हाउस बनाया है उस पर से अतिक्रमण मुक्त होना चाहिए तब जाकर आम जनता को तहसील प्रशासन व पालिका प्रशासन के उपर विश्वास होगा जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एव वन विकास समिति शिवगंज

शिवगंज सुमेरपुर के ईन बैक संचालकों ने जनता के साथ धोखाधड़ी कर लोगों की कमाई करोडों मे लुटी है ईन भूमाफियाओ व बेक भष्ट्राचारीओ की जमीने जब्त होनी व ईनके विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए ईनके विरुद्ध काटी गई कोलोनी की जमीन पर कब्जा करवाकर प्रशासन को अपना राजस्व विभाग के नाम करनी चाहिए व दोशी अधिकारी के विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए ईनके नाम की जितनी भी जमीन है जो यह बैक मालिक व दलालों की सम्पती जब्त करनी चाहिए

कमलसिह चौहान समाजसेवी गौरक्षक शिवगंज

जोधपुर वरिष्ठ नगर नियोजन व नगर पालिका भूमि शाखा के बाबू अधिकारी व पालिका अध्यक्ष ने मिलकर लाखों का भ्रष्टाचार कर वह सरकारी जमीन बिलानाम भूमि पर बडा फार्म हाउस बनाकर खुल्ले आम मजा कर रहे हैं क्यों नहीं सरकारी जमीन जब्त की जाए वह पूर्व में पहाड़ी पर बची यह जमीन सरकारी जमीन थी क्योंकि पूर्व में एससी की जमीन जो ऐलर्ट हुई थी उस जमीन पर कालोनी काटी गई है वह राजस्थान सरकार के नियमों के विपरीत ग्रीन बेल्ट में काटी हुई कॉलोनी के पट्टे खारिज करने चाहिए वह वापस पालिका को यह भूमि अपने कब्जे में लेनी चाहिए क्योंकि बड़गांव पंचायत कुछ नहीं करती उसकी जमीन पर लोग खुल्ले आम कब्जा कर रहे हैं पर कार्रवाई कुछ नहीं हो रही है सुमेरपुर इन बैंक संचालकों के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करके वापस इन्हे जेल भेजना चाहिए प्रेमचंद बेरूत पार्षद व पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सुमेरपुर

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान

08

भीलवाड़ा

भीलवाड़ा,मंगलवार,17,दिसम्बर, 2024

नगर विकास न्यास द्वारा निलामी के भूखण्ड में राजकोष को पहूचाई करोड़ो की हानी...?

क्यों है जिम्मेदार मौन...? क्यों कर रहे कार्रवाई करने में गूरेज..? क्या पर्दे के पिछे है मिलीभगत का बड़ा खेल.....?

2016 में हुई निलामी के भूखण्ड का भूखण्ड ए-1108 का 10 प्रतिशत राशि जमा कर बाकी राशि जमा की वर्ष 2023 में... ? न्यास के अधिकारी व कार्मिकों की सांठ गांठ के चलते... ?

किन नियमों के तहत करोड़ो के भूखण्ड की राशि सात वर्ष बाद जमा की क्यों नहीं किया निरस्त... ? किस किस अधिकारी के समय हुआ खेल क्या थी भागीदारी... ???

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा। नगर विकास न्यास भीलवाड़ा में लम्बे समय से कार्मिकों व वर्ष 2020 से 2023 के मध्य आये अधिकारियों द्वारा राजस्थान सरकार के राजकोष को बडा नुकसान पहूचाने का मामला आया सामने...? मामला इस प्रकार है कि वर्ष 2016 में बापू नगर के भूखण्ड संख्या ए-1108 साईज 3989 का कुल क्षेत्रफल 3471 वर्गफीट है को निलामी में निलाम किया गया जिसकी 10 प्रतिशत राशि 12 लाख रूपए दिनांक 03.02.2016 का जमा कर ली गई। बाकी बची राशि 35 लाख 65 हजार रूपए 7 वर्ष बाद बिना ब्याज बिना पेनलटी बिना कोई शास्ती लगाए अफसरों व कार्मिकों ने सांठ गांठ कर बडा अदृश्य सेवा शुल्क प्राप्त कर राजस्थान सरकार के राजकोष को बडी हानी पहूचाते हुए अपना मतलब साधलिया है...? गौरतलब है कि इस भूखण्ड की जगह कोई अन्य भूखण्ड होता तो उसे निरस्त कर दिया जाता लेकिन इस भूखण्ड में ऐसा क्या था या किस दबाव के चलते न तो ब्याज की राशि ली गई न ही किसी तरह की कोई शास्ती लगाई गई और निलामी की राशि में ही बची 3/4 राशि को जाम कर लिया गया क्या अधिकारियों व न्यास कार्मिको द्वारा जमा राशि के आदेश करते समय नियम कायदे कानुन कहां गए थे क्या आम व गरीब जनता के लिए ही कानुन बना है क्या आम गरीब जनता के प्लॉट ही निरस्त किए जाते है...?

निलामी में छोडे गए भूखण्ड में अनुमानित दो वर्ष में बची राशि जमा कराने का प्रावधान है पर किन कारणों से सात वर्ष बाद राशि बिना शास्ति बिना ब्याज के जमा की जाती है। इसके पिछे क्या अदृश्य बड़ा राज है...? उक्त भूखण्ड की वर्ष 2024 में अनुमानित बजार मुल्य 6500/- से 7000/- रूपए तक वर्ग फुट तक का है कुल भूखण्ड की किमत वर्तमान में अनुमानित 2 करोड़ 30 लाख से लगाकर 2 करोड़ 40 लाख के मध्य है जिसे निलामी में कुल 47 लाख 65 हजार में विक्रय कर दिया और बकाया 3/4 राशि भी सात वर्ष बाद जमा कराई गई, लेकिन अधिकारी व कार्मिक ने बकाया राशि पर न ही कोई ब्याज लगाया न ही कोई शास्ती लगाई। इसी तरह वर्ष 2020 से 2023 के मध्य इसी तर्ज पर कई भूखण्डो पर जो निलामी में छुठे थे और उनकी 1/4 राशि जमा कराने के बाद शेष राशि समय अवधि के अन्दर जमा नहीं करवाकर 6से 7 वर्षो बाद बिना ब्याज बिना शास्ती के जमा कराई है जिनकी मूल पत्रावलीयां भी न्यास के रेकॉर्ड से नदारद है और भूखण्डों की किमत वर्तमान में निलामी राशि से कई अधिक हो गई है, उन्हे क्यों व किन कारणों से निरस्त नहीं किया गया है न ही शास्तीयां लगाई गई न ही उन पर ब्याज वसूला गया है...? ऐसी कार्रवाईयां जिस अधिकारी व कार्मिकों के कार्यकाल में पद का दुरूपयोंग करते हुए व सरकार के कोष की बडी राजस्व हानी करते हुए की गई है उस पर मामला संज्ञान में आने के बाद क्यों उच्च अधिकारी व जिले के आलाधिकारी कठोर कार्रवाई करने से कर रहे है गूरेज...? क्या राज व किसका दबाव है इसके पिछे...?

नगर विकस न्यास भीलवाड़ा की भ्रष्टाचारी कार्यशेली, मुआवजा, निरस्त प्लॉटो को पुर्नजीवित कर विक्रय करना, तेज सिंह सर्कल से ईरास सर्कल के मध्य मल्टी स्टोरी भूखण्ड को निलामी में रिहायशी के नाम पर छूडवाकर नियमों व कानुन को ताक में रखकर व्यवसायिक कराकर दुकाने बनाना, सभी नगर विकास न्यास की कॉलोनियों में जैसे पटेल नगर, रमेश चन्द्र व्यास कॉलोनी, राधा कृष्ण कॉलोनी , तीलक नगर योजना, पटेल नगर योजना व अन्य में आपातकालीन आरक्षित करोडो रूपए के भूखण्डो को मुआवज में सांठ गांठ कर देना प्रस्तावित रोड जो कि सुवाणा से समेलिया फाटक तक व अन्य जो प्रस्तावित थी आज दिन तक नहीं बनी पर करोड़ो रूपए का बेशकिमति मुआवजा देना पर विभाग के उच्च अधिकारियों व न्यास के व जिले के आलाधिकारियों द्वारा क्यों की जा रही है कार्रवाई करने से गूरेज क्यों नही कर रहे है कठोर व विधिक कार्रवाई क्यों दिया जा रहा है भ्रष्टचारियों को संरक्षण...? राजस्थान सरकार के उच्च अधिकारियों सीएमओं कार्यालय, व संबंधित जांच ऐजेंसियों को कार्रवाई करने हेतु संज्ञान में लाया जा रहा है, कब होती है नियमानुसार विधिक व कठोर कार्रवाई...? नगर विकास न्यास भीलवाड़ा इतने बडे बडे काण्ड वर्ष 2020 से 2023 के मध्य ही हुए। ऐसा क्या कारण था...? इससे पूर्व भी कई प्रकरणों को अंजाम न्यास में दिया गया लेकिन सांठ गांठ के चलते संज्ञान में आन के पश्चात प्रकरणों को येनकेन प्रकार दबाकर ठण्डे बस्ते में डाल दिया जाता है। कोई भी कार्रवाई नहीं होने के चलते दिनो दिन अधिकारी व कार्मिकों के होसले बुलंदियो पर होते है जिससे व मनचाहे कृत्यों को अंजाम देने से नहीं चूकते है कौन रोकेगा कौन बचाएगा हानी से न्यास को व राजस्थान सरकार के राजकोष को...?

विधायक विकास चौधरी ने किया विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन किए, कृषि मंडी का किया निरीक्षण

किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी ने आज प्रधान सीता शैतान पूनिया द्वारा स्वीकृत राज्य वित्त आयोग षष्ठम एवं 15वां वित्त आयोग योजना अंतर्गत 50 लाख रुपए की राशि के विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया, कृषि मंडी का निरीक्षण किया एवं क्षेत्र की शोक सभा में सम्मिलित हुए

नमस्ते राजस्थान

मदनगंज किशनगढ़:- किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी ने आज ग्राम पंचायत भामोलाव मुख्यालय पर ग्राम पंचायत क्षेत्र में अरांई प्रधान सीता शैतान पूनिया द्वारा स्वीकृत राज्य वित्त आयोग षष्ठम एवं 15वां वित्त आयोग योजना अंतर्गत 50 लाख रुपए की राशि के विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया । सरकारी विद्यालय के पास वाचनालय/ रंगमंच निर्माण कार्य राशि 10 लाख रुपए, गोविंद खटीक के मकान से रामस्वरूप माली के मकान तक सीसी रोड मय नाली निर्माण कार्य राशि 5 लाख रुपए, भंवर गुर्जर के मकान से सावर महला के मकान की ओर सीसी रोड मय नाली निर्माण कार्य राशि 5 लाख रुपए, लालाराम वैष्णव के मकान से कल्याण मल दरोगा के मकान की ओर सीसी रोड मय नाली निर्माण कार्य राशि 5 लाख रुपए, ग्राम डांग में शंभू सिंह राठौर के मकान से तेजाजी मंदिर की ओर सीसी रोड मय नाली निर्माण कार्य राशि 5 लाख रुपए, ग्राम भांवसा में कालबेलिया बस्ती के पास स्वच्छता हेतु पुलिया निर्माण कार्य राशि 2 लाख रुपए, ग्राम भामोलाव में सेवा केंद्र के पास स्वच्छता हेतु पुलिया निर्माण कार्य राशि 3 लाख रुपए, ग्राम भांवसा मैं देठानी रोड से कालबेलिया बस्ती की ओर नाला निर्माण कार्य राशि 5 लाख रुपए, ग्राम भांवसा में लक्ष्मण वैष्णव के घर से गुमान सिंह राजपूत के घर की

और स्वच्छता हेतु सीसी रोड मय नाली निर्माण कार्य सहित विभिन्न कार्यों के लोकार्पण विधायक डॉ विकास चौधरी की मुख्य अतिथि, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान सीता शैतान पूनिया एवं विशिष्ट अथिति सरपंच सुश्री किस्मत बागड़ी की अध्यक्षता में संपन्न किए गए । कार्यक्रम में विधायक चौधरी ने आमजन एवं ग्राम वासियों को आश्वस्त किया कि जिस आशा के साथ आपने मुझे मत एवं समर्थन देकर विधानसभा में भेजा, आपकी आशा और आकांक्षाओं पर मैं खरा उतरूंगा और आगे भी आप कोई काम बताओगे । विधायक चौधरी ने कहा कि आप द्वारा बताए गए प्रत्येक कार्य को मे पूरा करूंगा । इस दौरान विधायक चौधरी के साथ प्रधान सीता शैतान पूनिया, समाजसेवी शैतान पूनिया, सरपंच सुश्री किस्मत बागड़ी, सरपंच प्रतिनिधि शिवराज बागड़ी, किशनगढ़ कांग्रेस का ब्लॉक अध्यक्ष मोहित खंडेलवाल, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सत्यनारायण बटेश्वर, पंचायत समिति सदस्य सुरेश नाथ जोगी, सरपंच कानाराम मेघवंशी, वरिष्ठ समाजसेवी हनुमान गौरेली, पूर्व सरपंच जगदीश जांगिड़, कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष महेंद्र भामू, पूर्व सरपंच भंवर गोपाल गॉड, युवा नेता किशन डाबला, कमल मेहता सहित सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे ।

अरांई क्रय-विक्रय समिति का भी निरीक्षण किया

विधायक चौधरी ने कृषि मंडी का निरीक्षण किया । किसानों से उनकी समस्याओं को जाना एवं मौके पर अधिकारियों को एमएसपी पर खरीद को पर तेजी लाने सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए । किसानों के बीच में समय बिताकर विश्वास दिलाया कि मैं खुद किसान का बेटा हूं और आपकी दुख-दर्द, तकलीफ को मैं समझता हूं। मैं सदैव आपके साथ खड़ा हूं ।

क्षेत्र की शोक सभाओ में हुए सम्मिलित

विधायक चौधरी इसके साथ ही क्षेत्र में पिछले दिनों जिन्होंने अपनों को खाया उनकी बैठकों में शामिल होकर उनके दुख दर्द साझा किए । इस दौरान विधायक चौधरी के साथ क्षेत्र के प्रधान, सरपंच , जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

राज्य सरकार के 1 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य स्तरीय समारोह कल

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जयपुर में वाटिका के दादिया में करेंगे कार्यक्रम को सम्बोधित

जिले से लगभग 10 हजार लोग होंगे राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मिलित

समस्त ग्राम पंचायतों में आईटी सेवा केन्द्रों किया जायेगा लाइव प्रसारण

जिला स्तर पर नगर निगम सभागार में होगा लाइव प्रसारण

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जयपुर में 17 दिसम्बर, मंगलवार को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में भाग लेने के लिए भीलवाड़ा जिले से 10 हजार लोग सोमवार को लगभग 250 बसों से जयपुर के लिए रवाना हुए। राज्य सरकार के 1 वर्ष पूर्ण होने पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 दिसम्बर 2024 को जयपुर में वाटिका के दादिया में राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित करेंगे। साथ ही विकास प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे। इस कार्यक्रम का समस्त ग्राम पंचायतों में आईटी सेवा केन्द्रों में लाइव प्रसारण किया जायेगा। वहीं जिला स्तर पर नगर निगम सभागार में लाइव प्रसारण किया जाएगा।

स्वात्वाधिकारी: प्रकाशक एवं मुदक: पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादक: पंकज गर्ग, कार्यालय नंबर: 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com